राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 91
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
रविवार 01 मार्च 2026
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 सपा छात्र सभा के कार्यकर्ता प्रदर्शन से पहले हिरासत में | पेज 4 कोतवाली में समाधान दिवस आयोजित | पेज 6 पिता के निधन के बाद टीम से जुड़ें रिंकू सिंह, देश के लिए निभाई

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 3 बांग्लादेशी गिरफ्तार, 10 नेशनल आईडी कार्ड बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली के आदर्श नगर से पुलिस ने तीन बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया। बुधवार सुबह खुफिया जानकारी और सर्विलांस के आधार पर एक ऑपरेशन के जरिये इन्हें पकड़ा हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने शुरू में खुद को भारतीय नागरिक बताया, लेकिन दस्तावेजों और डिजिटल सबूतों की जांच में उनके दावे झूठे पाए गए। पुलिस ने इनके पास से प्रतिबंधित मोबाइल एप्लिकेशन वाले तीन स्मार्टफोन और 10 बांग्लादेशी नेशनल आईडी कार्ड बरामद किए हैं। अब इन्हें वापस इनके देश भेजने की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

छतीसगढ़ में फारेस्ट गार्ड को युवकों ने पीटा

सूरजपुर। छतीसगढ़ के सूरजपुर जिले की एक नर्सरी में एक वर्दीधारी वनरक्षक को अपनी प्रेमिका को बुलाना महंगा पड़ गया। नर्सरी में प्रेमिका के स्वजन ने वनरक्षक सुखदेव पैकरा की जमकर पिटाई की और उसे डांस करने के लिए मजबूर किया। इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। घटना 23 फरवरी की बताई जा रही है। वनरक्षक 23 फरवरी को अपनी प्रेमिका के साथ नर्सरी में बैठा था। इसी दौरान युवती के स्वजन वहां पहुंचे और दोनों को पकड़ लिया। आठ की संख्या में पहुंचे युवकों ने पहले युवती को थप्पड़ मारा और फिर वनरक्षक की बुरी तरह पिटाई की।

ट्रम्प का दावा- इतिहास का सबसे दुष्ट इंसान खामेनेई खत्म

इजराइल ने कहा- शव मिला, ईरान बोला- सुप्रीम लीडर जिंदा; हमलों में अब तक 200+ मौतें

तेल अवीव/तेहरान। यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई मारे गए हैं। सोशल मीडिया ट्रुथ पर एक पोस्ट में ट्रम्प ने लिखा- इतिहास के सबसे क्रूर व्यक्तियों में से एक, खामेनेई मारा गया है। यह न केवल ईरान की जनता के लिए न्याय है, बल्कि दुनिया के उन देशों के लोगों के साथ हुआ न्याय है, जिन्हें खामेनेई और उसके खूनी गिरोह ने मार डाला था।

इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों पर हमला किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति वॉर रूम में बैठकर पर ईरान पर हुई एयरस्ट्राइक की मॉनीटरिंग कर रहे थे।

इजराइल ने ईरान पर हमलों का कोडनेम शेर की दहाड़ (लायन रोर) रखा है। जबकि अमेरिका ने इसे ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया है। ईरान की सेना ने जवाबी हमलों को खत्म-ए-तूफान नाम दिया है।

रॉयटर्स ने भी इजराइली अधिकारियों के हवाले से ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत का दावा किया है। बयान के मुताबिक खामेनेई का शव एयर स्ट्राइक से बचे मलबे के नीचे मिला है।

इससे पहले इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कहा था कि खामेनेई के मारे जाने के संकेत हैं। हालांकि उन्होंने इसका कोई सबूत नहीं दिया।

दूसरी तरफ ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची का कहना है कि सुप्रीम लीडर जिंदा हैं। वे सुरक्षित जगह पर हैं।

ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने बताया है कि अमेरिका और इजराइल के हमलों में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 740 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

ईरानी स्कूल पर हमले में 85 छात्राओं की मौत

ईरान के एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 85 छात्राओं की मौत हो गई, जबकि 45 घायल हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि इजराइली हमले मे ईरानी रक्षामंत्री अमीर नासिरजादेह और रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर मोहम्मद पाकपोर की मौत हो गई।

इजराइल ने अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के 10 शहरों पर एयरस्ट्राइक की है। हमले के बाद ट्रम्प ने वीडियो जारी कर कहा कि ईरान पर यह हमला अमेरिकी नागरिकों की रक्षा के लिए किया गया है।

जवाब में ईरान ने इजराइल पर करीब 400 मिसाइलें दागीं और कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व यूएई में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया। इतना ही नहीं, ईरान ने यूएई के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई पर भी हमला किया।

अमेरिका और इजराइल का जॉइंट मिलिट्री एक्शन

इजराइल ने ईरान के खिलाफ अपने नए अभियान का नाम लियोनस् रोर रखा है। ये हमला ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु हथियारों को लेकर चल रही बातचीत के बीच हुआ है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने हाल ही में ईरान पर हमले की धमकी दी थी। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिकी सेना ईरान की मिसाइलों को तबाह करने और उसके मिसाइल प्रोग्राम को खत्म करने की कोशिश कर रही है।

यूएन चीफ गुटेरेस की अपील- मिडिल ईस्ट में जंग तुरंत रोकें

यूनाइटेड नेशंस के सेक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने मिडिल ईस्ट में दुश्मनी तुरंत रोकने और तनाव कम करने की अपील की, और दुनिया के नेताओं से जिम्मेदारी से काम करने की अपील की है। मिडिल ईस्ट के हालात पर बात करने के लिए इमरजेंसी मीटिंग के दौरान, गुटेरेस ने कहा, आइए हम मिलकर इस इलाके और हमारी दुनिया को मुश्किल से बाहर निकालें। मिलिट्री एक्शन से ऐसी घटनाओं की एक सीरीज शुरू होने का खतरा है जिसे दुनिया के सबसे अस्थिर इलाके में कोई भी कंट्रोल नहीं कर सकता।

रेजा पहलवी ने ईरानियों से एकजुट होने की अपील की

देश से निकाले गए क्राउन प्रिंस रेज़ा पहलवी ने शनिवार को ईरानियों से एकजुट होने और सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत के बाद एक आज़ाद और खुशहाल भविष्य के लिए एक स्थिर बदलाव का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से उत्तराधिकारी नियुक्त करने की कोई भी कोशिश नाकाम होगी।

आंध्र प्रदेश- पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 21 की मौत

8 गंभीर घायल; धमाके की आवाज 5 किमी दूर तक सुनाई दी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के वेटलापलेम गांव में शनिवार को पटाखा बनाने वाली यूनिट में धमाका हो गया। हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे ब्लास्ट हुआ। धमाके इतना भीषण था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इसके बाद ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे में घायल लोगों को अस्पताल भेजना शुरू किया। पुलिस अधिकारी ने बताया- धमाका इतना तेज था कि लाशें पास के धान के खेतों में जाकर गिरीं। हरे-भरे धान के खेतों के बीच डरावना मंजर देखने को मिला, जब स्थानीय लोग बाराकालू, यानी खाद की बोरियों से बनी चादरों में लाशें ले जाते दिखे। पुलिस ने पास के खेतों में बिखरे शरीर के हिस्सों का पता लगाने के लिए ड्रोन तैनात किए हैं। काकीनाडा गवर्नमेंट हॉस्पिटल के सुपरिटेंडेंट ने कहा कि हॉस्पिटल में आए घायल 90 से 100 परसेंट तक जले हुए हैं। उनका इलाज जारी है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने संबंधित मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर हालात की निगरानी करने को कहा है। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने मृतकों के परिजनों को 20 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने मामले में चार सीनियर जिला स्तर के अधिकारियों को सस्पेंड करने का आदेश दिया।

इजराइल-ईरान जंग; दुबई में बुर्ज खलीफा के पास हमला

एयरपोर्ट बंद; एअर इंडिया की लंदन, टोरंटो, पेरिस, शिकागो उड़ानें रद्द, दुनियाभर की फ्लाइट्स पर असर

दुबई। इजराइल-ईरान जंग के बीच मिडिल ईस्ट में हालात तेजी से बिगड़ गए हैं, जिसका असर दुबई से लेकर भारत तक दिखाई दे रहा है। दुबई की मशहूर इमारत बुर्ज खलीफा के पास ड्रोन हमला हुआ।

एहतियातन बुर्ज खलीफा को खाली करा दिया गया और उसकी लाइट्स बंद कर दी गईं। हमले के बाद दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अल मकतूम एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन अगले आदेश तक रोक दिया गया। कई देशों ने अपना एयरस्पेस अस्थायी रूप से बंद कर दिया, जिससे दुनियाभर की फ्लाइट्स प्रभावित हुईं। एयर इंडिया ने घोषणा की है कि 1 मार्च को लंदन, टोरंटो, फ्रैंकफर्ट, पेरिस और शिकागो के लिए उसकी सभी निर्धारित उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

डीजीसीए ने भी एयरलाइंस को 11 देशों के एयरस्पेस से बचने की सलाह दी है। यात्रियों को एयरपोर्ट न जाने और अपनी एयरलाइंस से ताजा जानकारी लेने की सलाह दी गई है।

एअर इंडिया बोला- हम नजर रख रहे हैं

एअर इंडिया ने कहा कि हम अपने फ्लाइट ऑपरेशन के लिए सुरक्षा माहौल का आकलन करते रहेंगे और जरूरत के हिसाब से ऑपरेशन को पहले से एडजस्ट करेंगे।

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट Flightradarwy.com पर मौजूद जानकारी के मुताबिक, बोइंग 777 एयरक्राफ्ट से ऑपरेट की गई यह फ्लाइट पांच घंटे से ज्यादा समय तक हवा में रही और एयरलाइन ने सऊदी अरब के एयरस्पेस में आने पर वापस लौटने का फैसला किया।

एयर इंडिया ने भी इस अचानक हुई स्थिति की वजह से यात्रियों को हुई परेशानी के लिए खेद जताया। इस बीच, इंडिगो ने कहा कि वह ईरान और उसके एयरस्पेस से जुड़े रीजनल अपडेट्स पर करीब से नजर रख रहा है।

बंगाल : फाइनल लिस्ट में 7.04 करोड़ से ज्यादा वोटर

63 लाख लोगों के नाम हटे; अब तक 11 राज्यों-यूटी की अंतिम मतदाता सूची जारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजनके बाद फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश हो गई। इसमें वोटर 7.66 करोड़ से घटकर 7,04,59,284 रह गए हैं। यानी एसआईआर से अब तक 63.66 लाख नाम हटे हैं, जो कुल मतदाताओं का 8.3त्न है। दिसंबर में जारी मसौदा सूची में 58 लाख से अधिक नाम हटे थे।

सीईओ ने कहा- 60 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम की जांच अभी भी जारी है। हालांकि उन्हें नई वोटर लिस्ट में जोड़ा गया है। बाद में इन नामों पर फैसले के बाद लिस्ट में बदलाव हो सकता है। देश के 12 राज्यों-यूटी में 27 अक्टूबर 2025 से एसआईआर के दूसरे फेज के तहत वोटर वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू हुई थी। अब तक कुल 11 राज्यों-यूटी की फाइनल लिस्ट पब्लिश हो चुकी है। अब 10 अप्रैल को उत्तर प्रदेश की फाइनल लिस्ट आएगी।

अजित का प्लेन क्रैश लैंडिंग से पहले पेड़ों से टकराया

नई दिल्ली। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने बारामती प्लेन क्रैश पर 22 पेज की प्राइमरी रिपोर्ट जारी कर दी है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 28 जनवरी को मुंबई से बारामती जा रहे लियरजेट 45 XR एयरक्राफ्ट ने कम विजिबिलिटी के बावजूद रनवे पर लैंडिंग की। रिपोर्ट के मुताबिक एयरक्राफ्ट पहले दायीं ओर मुड़ा, पेड़ों से टकराया और फिर जमीन पर गिर गया। इसके बाद उसमें आग लग गई। इस हादसे में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार और 4 और लोगों की मौत हो गई थी। एएआईबी ने क्रैश साइट के पास के गांव में लगे सीसीटीवी फुटेज का हवाला देते हुए कहा कि हादसे से पहले प्लेन दायीं ओर मुड़ा, पेड़ों और फिर जमीन से टकराया। इससे उसमें आग लग गई और पूरा कॉकपिट, केबिन जल गया।

हैप्पी मॉर्निंग

पप्पू- यार मैं घरवालों से बड़ा परेशान हूं।
गप्पू- क्यों?
पप्पू- अरे उनको घड़ी में टाइम तक देखना नहीं आता...!
गप्पू- मतलब पप्पू- रोज सुबह मुझे जबरदस्ती उठा देते हैं और बोलते हैं, उठ जा, देख कितना टाइम हो गया।

शायरी

बुराई का रूप अब
भ्रष्टाचार है,
रावण के रूप में नेताओं का
अत्याचार हैं !!

अर्थसार

सेंसेक्स:
81,287.19
-961.42 (1.17%)
निफ्टी:
25,178.65
-317.90

मौसम

अधिकतम : 30 डिग्री से0
न्यूनतम : 16 डिग्री से0
सूर्योदय सोमवार : 6 : 49
सूर्यास्त रविवार : 6 : 21

राहुल की पंजाब कांग्रेस को चेतावनी

बरनाला में बोले- टीम प्लेयर बनो, वरना मैं ठीक कर दूंगा, पार्टी से बड़ा कोई नहीं

बरनाला। पंजाब के बरनाला में शनिवार को कांग्रेस की मजदूर महारैली हुई। इसमें राहुल गांधी ने पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी को लेकर नेताओं को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी को मैसेज देना चाहता हूं कि काम टीम वर्क से होता है। एक प्लेयर गेम नहीं जीत सकता है। हमारे पास पूरी टीम बैठी है। मैं मैसेज देना चाहता हूं कि टीम प्लेयर बनो। वरना रिजर्व में बैठा देंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि चाहे आप कितने भी बढ़े हो, पार्टी से बड़ा कोई नहीं है। आप टीम प्लेयर बनो। नहीं बने तो मैं और खड़गे आपको ठीक कर देंगे। यहां सारे सीनियर नेता बैठे हैं। मैं इनको बताना चाहता हूं कि हमारी सच्ची शक्ति हमारे कार्यकर्ता हैं। जो भी होगा पंजाब में इनकी रिस्पेक्ट से होगा।

उन्होंने कहा कि 4 महीने से अमेरिका-भारत डील रुकी थी। संसद में जब मेरा भाषण चल रहा था तो उसे रोका जा रहा था। उसी शाम प्रधानमंत्री का फोन ट्रंप को जाता है। यह मैंने नहीं कहा है। इस बात को लेकर ट्रंप ने ट्वीट किया है। पीएम ने ट्रंप को फोन किया। लेकिन किसी मंत्री को नहीं पूछा और कह दिया कि मैं डील के लिए तैयार हूं।

ईरान-इजराइल जंग — सोना-चांदी महंगा हो सकता है; होर्मुज रूट बंद हुआ तो 10 प्रतिशत एक्सपोर्ट भी खतरे में

ईरान-इजराइल जंग से भारत की 50 प्रतिशत तेल सप्लाई पर संकट

नई दिल्ली। ईरान और इजराइल के बीच शुरू हुई जंग का असर भारत के तेल, व्यापार, शेयर बाजार और सोना-चांदी की कीमतों पर दिख सकता है। अगर दोनों देशों के बीच युद्ध और बढ़ता है तो होर्मुज स्ट्रेट बंद हो सकता है। इससे भारत को हर महीने होने वाली तेल सप्लाई का आधा हिस्सा खतरे में पड़ जाएगा।

इसके अलावा भारत का नॉन-ऑयल एक्सपोर्ट भी प्रभावित हो सकता है। इसका 10 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा इस क्षेत्र से सप्लाई होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जंग बढ़ने से कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। तेल महंगा होने से महंगाई बढ़ती है और इसका असर शेयर बाजार पर भी पड़ेगा।

ऐसे हालात में बाजार में बड़ी बिकवाली और गिरावट देखने को मिल सकती है। दूसरी तरफ, जब दुनिया में तनाव बढ़ता है तो निवेशक सुरक्षित विकल्प की ओर जाते हैं। ऐसे समय में लोग सोना और चांदी खरीदना पसंद करते हैं। इसलिए इनकी कीमतों में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

भारत के लिए इतना अहम क्यों होर्मुज स्ट्रेट ?

ईरान और ओमान के बीच स्थित होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग है। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर कच्चा तेल सऊदी अरब, इराक, कुवैत और यूएई जैसे देशों से मंगवाता है, जिसका बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है।

केपलर के लीड रिसर्च एनालिस्ट सुमित रितोलिया के मुताबिक, अगर इजराइल ईरान के तेल ठिकानों पर हमला करता है या ईरान इस रास्ते को ब्लॉक करता है, तो सप्लाई चेन पूरी तरह बंद हो जाएगी। इसका असर भारत के साथ-साथ ग्लोबल ऑयल मार्केट पर भी पड़ेगा।

ऐसा इसलिए क्योंकि भारत अपनी जरूरत का करीब 26 लाख बैरल कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) रोजाना इसी रास्ते से मंगवाता है। केपलर के डेटा के मुताबिक, जनवरी-फरवरी में भारत के कुल मंथली ऑयल इंपोर्ट का करीब 50 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज के रास्ते ही आया है। नवंबर-दिसंबर 2025 में यह आंकड़ा 40 प्रतिशत था, जो अब बढ़ गया है।

संपादकीय

केजरीवाल और सिसोदिया निर्दोष साबित : ईडी-सीबीआई पर उठे गंभीर सवाल

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

27 फरवरी 2026 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और कुल 23 आरोपियों को दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में डिस्चार्ज कर दिया गया। स्पेशल जज जितेंद्र सिंह के 598 पेज के विस्तृत आदेश में स्पष्ट कहा गया कि सीबीआई की चार्जशीट में कोई प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनता। कोर्ट ने कहा, नीति में कोई व्यापक साजिश (ओवरआर्चिंग कांस्पिरेसी) या आपराधिक इरादा साबित नहीं होता। आरोप पूरी तरह अनुमानों, कमजोर सबूतों और दोहराए गए अप्रूवर बयानों पर टिके थे, जिन्हें कोर्ट ने अविश्वसनीय बताया।

यह मामला दिल्ली सरकार की 2021-22 की एक्साइज पॉलिसी से जुड़ा था, जिसमें आरोप थे कि नीति को निजी शराब लॉबी के फायदे के लिए बदला गया, साउथ ग्रुप को लाभ पहुंचाया गया और 100 करोड़ रुपये की रिश्वत ली गई। सीबीआई ने केजरीवाल, सिसोदिया, के. कविता, विजय नायर आदि पर भ्रष्टाचार, साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगाए। इसी आधार पर सिसोदिया फरवरी 2023 से जेल में रहे, जबकि केजरीवाल को जून 2024 में गिरफ्तार किया गया। दोनों लंबे समय तक जेल में रहे—सिसोदिया 17 महीने से ज्यादा और केजरीवाल कई महीने।

कोर्ट ने सीबीआई की जांच पर तीखी टिप्पणियां कीं। आदेश में कहा गया कि जांच में गंभीर खामियां हैं, अप्रूवर बयानों को बार-बार रिकॉर्ड कर नया सबूत बनाने की कोशिश की गई, जो गैरकानूनी है। साउथ ग्रुप जैसे आरोप बिना ठोस प्रमाण के लगाए गए। कोर्ट ने जांच अधिकारी पर विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए और कहा कि बिना पर्याप्त सामग्री के आरोपियों को फंसाया गया। यह फैसला जांच एजेंसियों की निष्पक्षता पर बड़ा सवाल उठाता है।

फैसले के बाद आम आदमी पार्टी (आप) में खुशी की लहर दौड़ी। केजरीवाल भावुक होकर बोले, आखिरकार सच की जीत हुई। मैं कट्टर ईमानदार हूं। उन्होंने कहा कि मोदी-शाह ने राजनीतिक साजिश रची। सिसोदिया ने भी सत्यं जयते कहा। दोनों ने पार्टी कार्यालय में समर्थकों के साथ जश्न मनाया। आप ने इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया और ईडी-सीबीआई के दुरुपयोग पर सवाल उठाए। विपक्षी नेताओं और विश्लेषकों ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां 95 प्रतिशत मामलों में विपक्षी दलों को निशाना बना रही हैं।

सीबीआई ने फैसले के कुछ घंटों बाद ही दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी। विशेषज्ञों का मानना है कि हाईकोर्ट में सुनवाई लंबी चलेगी। लेकिन फिलहाल यह फैसला ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग केस को भी कमजोर करता है, क्योंकि ईडी का केस मुख्य रूप से सीबीआई की जांच पर आधारित था। आरोपी अब ईडी केस को हाईकोर्ट में चुनौती दे सकते हैं।

यह घटना भारतीय न्याय व्यवस्था की ताकत दिखाती है, जहां अंतत: सबूतों की कमी से निर्दोष को राहत मिलती है। लेकिन लंबी कानूनी लड़ाई, जेल और मानसिक यातना आरोपी के जीवन पर गहरा असर डालती है। केजरीवाल और सिसोदिया के लिए यह कानूनी जीत के साथ राजनीतिक भी है। दिल्ली, पंजाब और अन्य राज्यों में आने वाले चुनावों में इसका असर दिख सकता है।

फिर भी सवाल बाकी हैं: क्या जांच एजेंसियां स्वतंत्र हैं? क्या राजनीतिक दबाव में निर्दोषों को फंसाया जा रहा है? क्या ईडी का केस अब भी जारी रहेगा? ये सवाल लोकतंत्र की मजबूती पर विचार करने को मजबूर करते हैं।

आबकारी नीति मामले में आप नेताओं का बरी होना बड़ी संजीवनी

ललित गर्ग

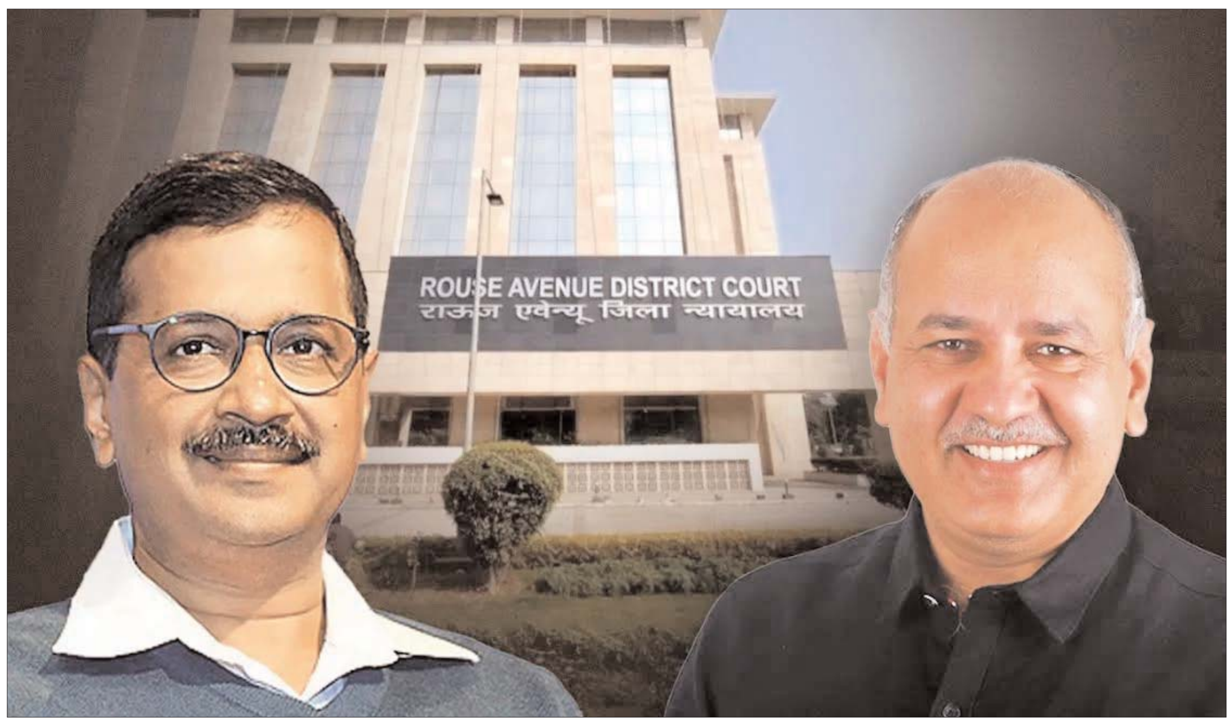

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट द्वारा कथित आबकारी नीति प्रकरण में आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा अन्य आरोपितों को दोषमुक्त किए जाने का निर्णय समकालीन राजनीतिक और विधिक परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अर्थात सीबीआई द्वारा पंजीकृत किया गया था और लंबे समय से सार्वजनिक बहस के केंद्र में था। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत आरोप ठोस साक्ष्यों और विश्वसनीय गवाहियों पर आधारित नहीं हैं तथा आरोपपत्र में वर्णित दावे न्यायिक परीक्षण की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। न्यायालय की यह टिप्पणी कि अनुमानों और अटकलों को विधिसम्मत प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, न केवल इस विशेष प्रकरण बल्कि समग्र अन्वेषण प्रक्रिया के लिए भी गंभीर संकेत देती है। आबकारी नीति मामले यह फैसला आप के लिए एक बड़ी संजीवनी या 'प्राणवायु' के समान है। यह फैसला आप को 'कट्टर ईमानदार' की छवि वापस पाने और आगामी चुनावों के लिए एक आक्रामक रुख अपनाने में मदद करेगा, जिससे विपक्षी दलों का मनोबल भी बढ़ा है। कोर्ट से मिली क्लीन चिट ने आप नेताओं की साख बहाल की है जिससे पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। यह निर्णय 'राजनीतिक प्रतिशोध' के नैरेटिव को बल देता है जिससे आप अपनी छवि को बेदाग साबित कर पा रही है। विपक्षी दल इस घटना को केंद्रीय एजेंसियों सीबीआई एवं ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ एक जीत के रूप में देख रहे हैं जिससे उन्हें केंद्र के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। इस फैसले से दिल्ली और पंजाब में आप को मजबूती मिलेगी और वह आगामी चुनावों के लिए आक्रामक प्रचार कर सकती है।

विवाद का मूल वर्ष 2021 में लागू की गई नई आबकारी नीति से जुड़ा था। उस समय दिल्ली सरकार ने तर्क दिया था कि शराब व्यापार में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने से राजस्व में वृद्धि होगी, भ्रष्टाचार कम होगा और व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनेगी। किंतु नीति के क्रियान्वयन के बाद उस पर अनियमितताओं तथा कथित पक्षपात के आरोप लगाए गए। यही आरोप आगे चलकर आपराधिक प्रकरण का आधार बने। जुलाई 2022 से यह मुद्दा राजनीतिक विमर्श का प्रमुख विषय बन गया और चुनावी सभाओं में इसे व्यापक रूप से उठाया गया। अब जबकि ट्रायल कोर्ट ने अभियोजन के तर्कों को अपर्याप्त पाया है, तो स्वाभाविक है कि इसका राजनीतिक प्रभाव भी पड़ेगा।

हालांकि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने इस निर्णय को दिल्ली उच्च न्यायालय, में चुनौती देने की घोषणा की है। अत: अंतिम विधिक स्थिति अभी स्पष्ट नहीं मानी जा सकती।

साथ ही प्रवर्तन निदेशालय, अर्थात ईडी ने यह कहा है कि उससे संबंधित धनशोधन प्रकरण की जांच स्वतंत्र आधारों पर चल रही है। यदि उच्च न्यायालय भी निचली अदालत के निर्णय को बरकरार रखता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठेगा कि समान घटनाक्रम से जुड़े विभिन्न अन्वेषणों की विधिक संगति किस प्रकार सुनिश्चित की जाएगी।

इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष संस्थागत विश्वसनीयता से जुड़ा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अन्वेषण एजेंसियों की भूमिका अत्यंत संवेदनशील होती है। वे केवल अपराध की जांच ही नहीं करतीं, बल्कि न्याय व्यवस्था के प्रारंभिक चरण का प्रतिनिधित्व भी करती हैं। यदि न्यायालय यह टिप्पणी करता है कि जांच पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है या पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए, तो यह केवल एक तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत शुचिता पर प्रश्नचिह्न बन जाता है। न्याय का मूल सिद्धांत है कि अभियुक्त तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि उसका दोष विधिसम्मत प्रमाणों के आधार पर सिद्ध न हो जाए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोपों का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि शासन की समग्र विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो कठोर दंड आवश्यक है; किंतु यदि आरोप पर्याप्त प्रमाणों के अभाव में टिक नहीं पाते, तो इससे राजनीतिक विमर्श की विश्वसनीयता पर भी आघात पहुँचता है। लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु आरोपों का उपयोग यदि मुख्यत: चुनावी रणनीति के रूप में किया जाता है और वे न्यायालय में प्रमाणित नहीं हो पाते, तो इससे जनता के मन में संदेह की स्थिति उत्पन्न होती है।

इस निर्णय के बाद स्वाभाविक रूप से आम आदमी पार्टी को नैतिक बल प्राप्त हुआ है। किंतु इस तथ्य को केवल किसी एक दल की विजय या पराजय के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इससे व्यापक स्तर पर यह संदेश भी जाता है कि न्यायिक प्रक्रिया स्वतंत्र है और वह अभियोजन की कमजोरी को रेखांकित करने से संकोच नहीं करती। न्यायालय की कठोर टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि केवल आरोपों की गंभीरता पर्याप्त नहीं है; उन्हें प्रमाणों की दृढ़ता से पुष्ट करना भी अनिवार्य है। दूसरी ओर, यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यदि वास्तव में किसी नीति में अनियमितता हुई थी, तो उसके समर्थन में ठोस साक्ष्य क्यों प्रस्तुत नहीं किए जा सके। क्या अन्वेषण प्रक्रिया में तकनीकी कमियाँ रहीं? क्या साक्ष्य-संग्रह में सावधानी का अभाव था? या फिर आरोपों का प्रारूपण ही पर्याप्त स्पष्ट नहीं था? ये प्रश्न केवल इस प्रकरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भविष्य की जांच प्रक्रियाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो सकते हैं।

भ्रष्टाचार-निरोध की दिशा में प्रभावी कदम तभी संभव हैं जब अन्वेषण निष्पक्ष, पारदर्शी और विधिसम्मत हो।

राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार-विरोध का नैतिक आग्रह तभी प्रभावी है जब वह स्वयं प्रमाण-आधारित हो। यदि आरोपों का आधार कमजोर होगा, तो वे न्यायिक समीक्षा में टिक नहीं पाएंगे और इससे वास्तविक भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष भी कमजोर पड़ेगा। इस घटनाक्रम ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है-अन्वेषण एजेंसियों की स्वायत्तता और उत्तरदायित्व का संतुलन। लोकतंत्र में एजेंसियों को स्वतंत्रता आवश्यक है, किंतु वह स्वतंत्रता विधिक मानकों और न्यायिक नियंत्रण के अधीन रहती है। न्यायालय की टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि प्रक्रिया की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। यदि अभियोजन पक्ष पर्याप्त तैयारी के बिना आरोप प्रस्तुत करता है, तो उसका परिणाम यही होगा कि मामला प्रारंभिक चरण में ही कमजोर पड़ जाएगा।

निश्चित तौर पर यह प्रकरण हमें यह स्मरण कराता है कि कानून का शासन केवल दंड देने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि न्यायसंगत प्रक्रिया की गारंटी भी है। आरोप सिद्ध करने की जिम्मेदारी राज्य पर होती है और वह भी संदेह से परे प्रमाणों के आधार पर। यदि यह मानक पूरा नहीं होता, तो किसी भी व्यक्ति को केवल सार्वजनिक धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इस निर्णय का अंतिम परिणाम चाहे जो भी हो-क्योंकि उच्च न्यायालय में चुनौती लंबित है फिर भी यह अवसर अवश्य प्रदान करता है कि हम भ्रष्टाचार-निरोध की अपनी कार्ययोजना को अधिक सुदृढ़ और प्रमाण-आधारित बनाएं। राजनीतिक विमर्श को आरोपों की तीव्रता से आगे बढ़कर प्रमाणों की गुणवत्ता पर केंद्रित करना होगा। अन्वेषण एजेंसियों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी कार्रवाई निष्पक्षता और विधिक दृढ़ता का उदाहरण बने।

लोकतंत्र की शक्ति उसके संस्थानों की विश्वसनीयता में निहित होती है। जब न्यायालय निर्भीक होकर जांच की कमियों को इंगित करता है, तो वह व्यवस्था को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत करता है।

आवश्यकता इस बात की है कि इस निर्णय को किसी दलगत लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि ऐसा किया जाता है, तो यह प्रकरण केवल एक राजनीतिक विवाद नहीं रहेगा, बल्कि शासन-प्रणाली की परिपक्वता का प्रमाण भी बनेगा।

सुप्रीम संवेदनशीलता

भारतीय समाज में किसी भी तरह की हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिये न्याय पाने की प्रक्रिया में न्यायिक तंत्र की विसंगतियों से जूझना कष्टप्रद रहा है। समाज में सोच रही है कि पहले ही हिंसा का शिकार हुई स्त्री द्वारा अपनी आपबीती को बार-बार दोहराना पुन: उसी यंत्रणा से गुजरना जैसा होता है। उसकी अभिव्यक्ति की गोपनीयता व पहचान सुरक्षित रखने की भी जरूरत महसूस की जाती रही है। विडंबना यह भी रही है कि अक्सर स्त्री के खिलाफ हुई हिंसा से जुड़े मामले में सामाजिक धारणाओं पर पितृसत्तात्मक सोच वाली मानसिकता का वर्चस्व रहता है। निर्विवाद रूप से हर तरफ से हारा-हताश व्यक्ति न्याय की चौखट पर अंतिम सहारे के रूप में जाता है। लेकिन कई बार देखने में आया है कि स्त्री के विरुद्ध हुए अपराध के मुकदमे के दौरान टिप्पणियों व फैसले पर पूर्वाग्रहों का असर नजर आता है, जिसे पहले से पीड़ित स्त्री के कष्ट में इजाफा ही होता है। कहा जाता है कि इस प्रक्रिया में यदा-कदा संवेदनशीलता व करुणा का भाव नदारद पाया गया। यही वजह है कि समय-समय पर शीर्ष अदालत ने न्यायाधीशों के निर्णयों को रूढ़िवादिता के प्रभाव से मुक्त करने के लिये प्रयास किए हैं। इसी आलोक में पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को यौन हिंसा व स्त्री से जुड़े अन्य अपराधों के परिप्रेक्ष्य में जजों तथा न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े लोगों के लिए संवेदनशीलता तथा करुणा विकसित करने की पहल की है। दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। निस्संदेह, इस संवेदनशील पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट का यह प्रयास भविष्य में नई लीक बनाएगा, जिसमें न्यायाधीश स्त्री के विरुद्ध यौन हिंसा व अन्य अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता के साथ सुनवाई कर सकेंगे। इसके साथ ही संभव हो सकेगा कि उनके फैसलों पर किसी सामाजिक भेदभाव की धारणा व पूर्वाग्रह का असर नजर न आए।

निस्संदेह, इस प्रयास से न्याय को अधिक मानवीय व संवेदनशील बनाने में मदद मिल सकेगी। विगत में भी इस दृष्टिकोण की कमी न्यायिक प्रक्रिया में महसूस की जाती रही है। कई तरह की विसंगतियों को कई फैसलों में महसूस किया जाता रहा है। यही वजह है कि शीर्ष अदालत को न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता विकसित करने की जरूरत पर बल दिया गया। हमारे समाज में न्यायाधीशों को पंच-परमेश्वर की संज्ञा दी गई है और उनसे नीर-क्षीर विवेक के साथ संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती रही है। निश्चित रूप से शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप के बाद न्यायपालिका के नजरिये में बदलाव के साथ न्यायिक प्रक्रिया में निहित संवेदनशीलता का समावेश हो सकेगा। वैसे तो विगत में भी इस दिशा में कई रचनात्मक पहल की गई हैं, लेकिन उनके आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। ऐसा ही एक प्रयास साल 2023 में एक पुस्तिका के रूप में सामने आया था, जिसमें फैसलों में पुरुष प्रधान मानसिकता वाली शब्दावली से परहेज करने का सुझाव दिया गया था। इसके साथ ही विगत में न्याय प्रक्रिया से जुड़े लोगों के लिये लैंगिक संवेदनशीलता पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने की जरूरत पर बल दिया जाता रहा है। एक अन्य विकल्प के रूप में न्यायपालिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की जरूरत भी बतायी जाती रही है। दरअसल, एक विसंगति यह भी रही है कि देश की निचली अदालतों में महिलाओं से जुड़े यौन हिंसा व अन्य गंभीर अपराधों के मामले में फैसले देते वक्त सामाजिक यथार्थ की अवहेलना की जाती रही है। फलस्वरूप कानूनी प्रावधानों की व्याख्या में चूक से अपराध की प्रकृति कमतर आंकी जाती है। जिससे पीड़ित महिला की न्याय की डगर मुश्किलों भरी हो जाती है। ऐसे में न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े लोगों को लैंगिक संवेदनशीलता का पाठ पढ़ाए जाने के बाद पीड़िताओं को वास्तविक न्याय मिल सकेगा। तब न्यायाधीश पितृसत्तात्मक दुराग्रहों से निरपेक्ष रहकर महिला के वास्तविक कष्टों को महसूस करते हुए प्राकृतिक न्याय दे सकेंगे।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3815

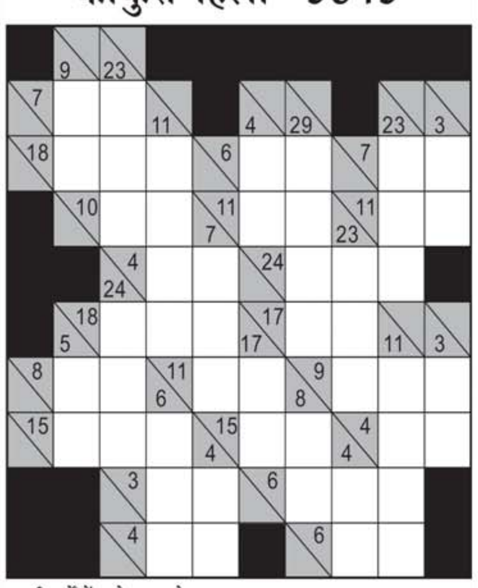

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1 2 3 5

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3814 का हल

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3815

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3814

सूडोकु -3815

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3814 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली - 3815

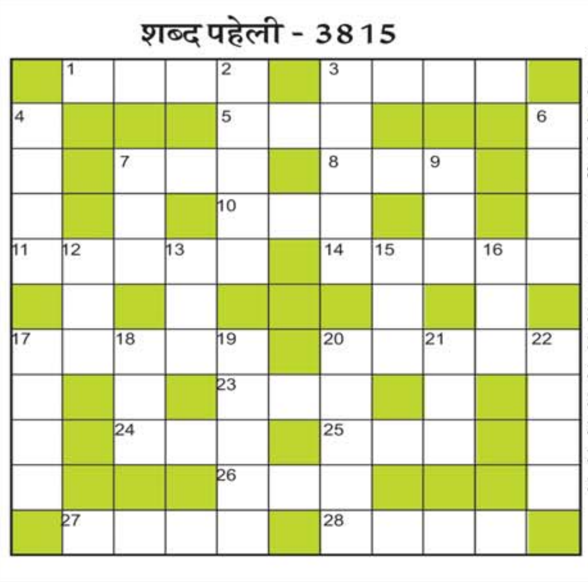

बाएँ से दाएँ

1. छुट्टी,रजा-4
3. वध,आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल,अनूठा-3
8. अनाथ,बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार,सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में,दौरान-3
24. खुश,आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना,परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2. मयखाना,मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना,वचन तोड़ना-4
7. फिजूल,व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग,गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश,मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 3814 का हल

गौतमबुद्धनगर
रविवार 01 मार्च 2026
Www.vishalindia.in

सपा छात्र सभा के कार्यकर्ता प्रदर्शन से पहले हिरासत में

गलगोटिया यूनिवर्सिटी पर तालाबंदी करने जा रहे थे, पुलिस ने रोका

जेवर। ग्रेटर नोएडा में शनिवार दोपहर समाजवादी पार्टी (सपा) छात्र सभा के कार्यकर्ताओं को गलगोटिया यूनिवर्सिटी के खिलाफ प्रदर्शन करने से पहले ही हिरासत में ले लिया गया। कार्यकर्ता एआई समिट में हुए रोबोट विवाद को लेकर यूनिवर्सिटी पर तालाबंदी करने जा रहे थे।

दनकौर कोतवाली पुलिस ने सपा छात्र सभा के जिलाध्यक्ष मोहित नागर समेत कई कार्यकर्ताओं को रास्ते में ही रोक लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि सपा छात्र सभा के कार्यकर्ता दोपहर में यूनिवर्सिटी की ओर कूच कर रहे हैं। इस पर एहतियातन कार्रवाई करते हुए पुलिस ने यूनिवर्सिटी के पास पहुंचकर मोहित नागर और अन्य कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह कदम क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया।

सपा छात्र सभा के पदाधिकारियों का आरोप है कि एआई समिट के दौरान रोबोट से जुड़ा विवाद छात्रों और युवाओं की भावनाओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। उनका कहना है कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इस मामले पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया, जिसके विरोध में उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन और तालाबंदी का कार्यक्रम तय किया था।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति किसी भी प्रकार के प्रदर्शन या तालाबंदी की इजाजत नहीं दी जाएगी। क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदर्शन करने जा रहे छात्रों को यूनिवर्सिटी से पहले ही हिरासत में ले लिया गया है और मामले में जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हिरासत में लिए गए सभी कार्यकर्ताओं को चेतावनी देकर छोड़ने की तैयारी की जा रही है।

नोएडा में साफ्टवेयर डेवलपर ने 12 लाख हड़पे

नोएडा। भरोसे का गलत फायदा उठाकर 12 लाख रुपये से ज्यादा की रकम हड़पने और कंपनी का जरूरी डाटा अपने कब्जे में लेने के आरोप में सॉफ्टवेयर डेवलपर के खिलाफ साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज हुआ है। पुलिस नामजद आरोपी से पूछताछ करने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है। पुलिस को दी शिकायत में ललित अग्रवाल ने बताया कि साल 2017 में उसकी कंपनी ने रवि राज को अपने सर्वर, ईआरपी सिस्टम, वेबसाइट और अन्य डिजिटल कामकाज की देखरेख के लिए नियुक्त किया था। काम के दौरान उसे कंपनी के सर्वर, बैक एंड डाटा, सोर्स कोड और वेबसाइट कंट्रोल पैनल तक पूरा एडमिन एक्सेस दिया गया था। इसके अलावा कंपनी की ओर से एक लैपटॉप भी आधिकारिक काम के लिए दिया गया था। आरोप है कि जुलाई 2025 के पहले हफ्ते में पता चला कि रवि राज ने बिना अनुमति कंपनी के सर्वर और डाटा तक पहुंच बनाई और उस पर नियंत्रण कर लिया। इससे कंपनी का एडमिन एक्सेस बंद हो गया और कामकाज प्रभावित होने लगा। जब कंपनी ने उससे सभी पासवर्ड, सोर्स कोड और कंट्रोल वापस देने को कहा तो उसने मना कर दिया और बदले में पैसे की मांग करने लगा।

15 हजार करोड़ के घोटाले में शामिल वांछित गिरफ्तार

50 हजार का था इनाम, एसटीएफ नोएडा ने हरियाणा से पकड़ा

नोएडा। करोड़ों के जीएसटी घोटाले में लिप्त 50 हजार के इनामी बदमाश को एसटीएफ नोएडा ने हिसार से गिरफ्तार किया है। इसका नाम बलदेव उर्फ बल्ली है। नोएडा के सेक्टर-20 थाने से वांछित चल रहा था। राज कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ ने बताया कि 27 फरवरी को जानकारी मिली कि बल्ली उर्फ बलदेव हिसार में है।

इस सूचना को विकसित करने के बाद एसटीएफ नोएडा की टीम द्वारा बलदेव उर्फ बल्ली को गिरफ्तार किया। पूछताछ पर बताया कि उसकी उम्र लगभग 38 साल है। उसने साल 2012 में पंजाब यूनिवर्सिटी से एमबीए किया है। बताया कि वह मूलरूप से जनपद हिसार, हरियाणा का रहने वाला है। बलदेव उर्फ बल्ली ने बताया कि उसने 2012 में हिसार में मेडिकल स्टोर खोला था। इसमें कोई लाभ न होने के कारण मेडिकल स्टोर को बंद कर दिया। 2014 में हिसार में रहकर पुरानी गाडियों की खरीद-फरोख्त का काम करने लगा और इसी दौरान दिल्ली का रहने वाला अर्चित गोयल पुरानी गाडी को खरीदने आया था, इसी दौरान उसकी जान पहचान अर्चित गोयल से हो गयी।

3500 से अधिक फर्जी कंपनी बनाई

इसके बाद से बलदेव उर्फ बल्ली ने पैसों के लालच में आकर अर्चित गोयल के साथ जीएसटी फ्रॉड करने का काम करना शुरू कर दिया था। बल्ली ने अपने गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर विभिन्न व्यक्तियों के पैन कार्ड नंबर प्राप्त किए। उन व्यक्तियों के पैनकार्ड पर जीएसटी रजिस्टर्ड करा ली।

इन पैन कार्डों पर बनाई गयी 3500 से अधिक फर्जी फर्मों में करोडों रूपये के जीएसटी इनवाइस काटकर टैक्स इनपुट लिया गया। ई-वे बिल तैयार करके करोडों रूपयों की जीएसटी चोरी की गयी।

किसानों की समस्याओं पर महापंचायत का ऐलान

21 मार्च को जेवर तहसील में होगी बैठक, रणनीति पर होगी चर्चा

जेवर। ग्रेटर नोएडा में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर 21 मार्च को जेवर तहसील में महापंचायत आयोजित करने का ऐलान किया गया है। यह निर्णय शनिवार को दनकौर कार्यालय पर आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता राजाराम प्रधान ने की, जबकि संचालन सुनील प्रधान ने किया। इसमें पूर्व में हुए धरना-प्रदर्शनों और संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की गई। साथ ही, आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रवक्ता पवन खटाना को नई जिम्मेदारी मिलने पर रजनीकांत अग्रवाल ने उनका स्वागत किया। वक्ताओं ने कहा कि किसानों की समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। आरोप लगाया गया कि तहसीलों में बिना रिश्वत के कोई काम नहीं हो रहा है, जिससे किसानों में भारी नाराजगी है।

मेरठ मंडल महासचिव अनित कसाना ने बताया कि महापंचायत को सफल बनाने के लिए गांव-गांव जाकर जागरूकता रैलियां निकाली जाएंगी।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से तैयारियों में जुटने का आह्वान किया, ताकि अधिक से अधिक किसान महापंचायत में शामिल हो सकें।

भाकियू ने सर्किल रेट बढ़ाने की मांग की

नोएडा में डीएम को ज्ञापन सौंपा, 15 दिन में समाधान का दिया अल्टीमेटम

जेवर। गौतमबुद्ध नगर में भारतीय किसान यूनियन (महात्मा टिकैत) ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। संगठन ने सर्किल रेट बढ़ाने और अन्य राजस्व संबंधी मामलों के समाधान की मांग की है। चेतावनी दी गई है कि यदि 15 दिनों के भीतर इन मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा। शनिवार को जिलाध्यक्ष रविन्द्र नागर के नेतृत्व में संगठन के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन दिया। ज्ञापन में प्रमुखता से कहा गया कि जिले में अभी तक सर्किल रेट में वृद्धि नहीं की गई है, जबकि आसपास के जनपदों में दरें बढ़ चुकी हैं। इससे

किसानों को जमीन अधिग्रहण और खरीद-फरोख्त में आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। संगठन ने तत्काल सर्किल रेट बढ़ाने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, सदर, जेवर और दादरी तहसीलों में दाखिल-खारिज, वारिसान दर्ज करने और हिस्सा प्रमाणपत्र जारी करने जैसे कई राजस्व संबंधी मामले लंबित पड़े हैं। किसानों ने इन मामलों के जल्द निस्तारण की मांग की है। किसानों का आरोप है कि तहसील परिसरों में लेखपाल अक्सर अनुपस्थित रहते हैं, जिसके कारण उनके कार्य समय पर पूरे नहीं हो पाते। इससे किसानों को बार-बार तहसील के चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जिलाध्यक्ष रविन्द्र नागर ने कहा कि प्रशासन को किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए और एक निश्चित समय सीमा के भीतर उनका समाधान सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं हुआ, तो संगठन चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस दौरान लीले नेता, संजय शर्मा, बलराज प्रधान, अमित चौधरी, एनसीआर अध्यक्ष समयवीर नागर, रुपन खारी, विकास कौशिक, योगेंद्र अती, ओमकार प्रधान, शहीद खान, पप्पू ठेकेदार और सुमित नागर सहित कई किसान कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नोएडा के स्काईवॉक में टेक्निकल फॉल्ट को किया जाएगा दूर

बीम हटाने से पहले की जाएगी फ्रेमिंग, इसी पर रहेगा स्टेशन का भार

नोएडा। नोएडा में ब्लू लाइन के सेक्टर-52 और एक्वा लाइन के सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन को जोड़ने वाला स्काईवॉक जल्द शुरू किया जाएगा। इस स्काईवॉक में सेक्टर-51 की बीम को लेकर आई टेक्निकल समस्या को अब दूर किया जाएगा। ये बीम सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन के एंट्री पर है। जिस पर पूरे प्लेटफार्म और मेट्रो स्टेशन का भार टिका है।

बीम के स्थान पर करेंगे फ्रेमिंग

इसको हटाने से पहले स्ट्रक्चर जांच की गई। अब इसकी फ्रेमिंग की जाएगी। इसका फ्रेम तैयार कर लिया गया है। संभवता एक महीने में इस फ्रेम को लगा दिया जाएगा। इसके बाद इस स्काईवॉक को आम लोगों के लिए खोला जा सकता है।

हालांकि अब भी सेफ्टी मेजर इश्यू से बचने के लिए आईआईटी से रिपोर्ट लेंगे। बताया गया कि सेक्टर-52 की तरफ भी एक बीम है। जिसे हटाया नहीं जाएगा बल्कि इसे रैंप का रूप दिया जा सकता है। स्काईवॉक का निर्माण जून 2023 में शुरू हुआ था। इसे महज पांच महीने में पूरा किया जाना था, लेकिन अब तक काम अधूरा है। इस दौरान प्राधिकरण करीब 40 करोड़ रुपये खर्च कर चुका है। मौजूद हालत में मुसाफिर दोनों स्टेशन पर सड़क के रास्ते से जाते है। बनाया गया पाथ वे भी बंद है।

आईआईटी से लेंगे मदद

प्राधिकरण ने इस मामले में आईआईटी से मदद लेने का निर्णय लिया है। वहीं, दूसरी तरफ सेक्टर-52 स्टेशन की तरफ जोड़ने में भी अभी कुछ दिक्कतें सामने आ रही हैं। प्राधिकरण के जीएम एसपी सिंह ने बताया कि बीम को लेकर आईआईटी से सेफ्टी रिपोर्ट ली जाएगी। इसके बाद आगे की प्रक्रिया की जाएगी। सेफ्टी रिपोर्ट लेने से लेकर वर्तमान बीम को हटाने समेत अन्य काम करने में करीब एक महीने का समय लग जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में नाइजीरियाई नागरिक ने डिलीवरी बॉय को पीटा

सोसाइटी निवासियों ने विरोध किया, पुलिस ने जांच शुरू की

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के थाना बिसरख क्षेत्र स्थित समृद्धि ग्रैंड एवेन्यू हाउसिंग सोसाइटी में एक नाइजीरियाई नागरिक द्वारा डिलीवरी बॉय से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि भुगतान को लेकर हुए विवाद के बाद यह घटना हुई। सोसाइटी के निवासियों ने इस पर विरोध प्रदर्शन किया और बिसरख कोतवाली पुलिस को सूचना दी।

जानकारी के अनुसार, देर शाम सोसाइटी के फ्लैट में रहने वाले नाइजीरियाई युवक इस्माइल मंजूर ने ऑनलाइन सामान मंगवाया था। डिलीवरी बॉय द्वारा भुगतान मांगे जाने पर वह भड़क गया और कहासुनी के बाद मारपीट करने लगा। शोर सुनकर बीच-बचाव के लिए पहुंचे अन्य निवासियों से भी उसने दुर्व्यवहार किया, जिससे सोसाइटी में तनाव फैल गया। घटना से आक्रोशित निवासियों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया और संबंधित किरायेदार को तत्काल सोसाइटी से बाहर करने की मांग की। निवासियों का आरोप है कि यह युवक पिछले एक वर्ष से सोसाइटी में रह रहा है और कई बार अभद्रता व झगड़े की घटनाओं में शामिल रहा है।

ग्राहक बनकर आई महिलाओ ने ज्वैलरी शॉप से उड़ाए सोने के आभूषण

ग्रेटर नोएडा। जेवर इलाके से चोरी की एक ऐसी वारदात सामने आई है, जिसने सर्राफा व्यापारियों की नींद उड़ा दी है। यहाँ महिलाए, ग्राहक बनकर ज्वैलरी शॉप में दाखिल हुई और दुकानदार को बातों मे उलझा कर पलक झपकते ही करीब 100 ग्राम सोने के आभूषण लेकर रफूचक्कर हो गई। यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

बता दे कि तस्वीरों में दिख रही यह महिलाए गुट बना कर सोने के आभूषण देख परख कर करती है, इस बीच एक महिला दुकानदार को बातों में उलझाती है और गहने पसंद करने का नाटक करती है। फिर वहा से चली जाती है. लेकिन ज्वैलरी शॉप में जो हुआ, उसकी भनक दुकानदार को तब लगी जब महिला वहां से जा चुकी थी। सीसीटीवी कैमरों कैद महिलाए शातिर महिला ने बड़ी ही सफाई से लगभग 100 ग्राम सोने के गहने अपनी चादर या कपड़ों में छिपा लिए और बिना कीमत चुकाये वहां से निकल गई। चोरी की खबर मिलते ही बाजार में हड़कंप मच गया। पीड़ित दुकानदार की शिकायत के आधार पर जेवर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है ताकि महिला की पहचान की जा सके। शुरुआती जांच में लग रहा है कि महिला इस तरह की वारदातों में माहिर है।

नोएडा में 100 लोगों से 70 लाख की ठगी : दो गिरफ्तार

विदेश में नौकरी का झांसा; प्रोसेस के नाम पर लेते थे 2.50 लाख

नोएडा। नोएडा की थाना सेक्टर-126 पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग 100 से ज्यादा लोगों से 70 लाख की ठगी कर चुके है। प्रोसस के नाम पर एक-एक व्यक्ति से करीब ढाई लाख रुपए तक वसूल किए।

इनके पास से काफी डेटा भी मिला है। इनके नाम नियाज अहमद उर्फ अरमान निवासी महाराजगंज दिल्ली और राजू शाह निवासी सीवान, बिहार हुई। इनके पास से नौ भारतीय पासपोर्ट, चार मोबाइल फोन, 73,500 रुपये नगद बरामद किए गए।

पुलिस के ट्रैप में फंसे दोनों शातिर

तमिलनाडु के त्रिचुरापल्ली निवासी श्री तिरूमूर्ति ने नोएडा पुलिस से संपर्क किया। पीड़ित ने बताया कि अज्ञात जालसाजों ने उसे विदेश में नौकरी का विज्ञापन दिखाकर लगभग डेढ़ लाख रुपए ठग लिए है। प्रोसेस को नाम पर और पैसा मांग रहे है। उसे रकम लेकर सेक्टर-94 स्थित सुपरनोवा बिल्डिंग के पास बुलाया गया है।

जानकारी मिलते ही पुलिस ने प्लानिंग की। सेक्टर-126 की पुलिस टीम ने तत्काल सक्रियता दिखाई और घेराबंदी की। योजना के अनुसार, शिकायतकर्ता ने दोनों को वाट्सऐप कॉल करके बुलाया। दोनों सफेद रंग की टाटा नेक्सन कार से आने की बात कही। करीब 20 मिनट बाद जैसे ही कार पहुंची, पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए DMI टी-प्वाइंट पर वाहन को रोक लिया। दोनों को गिरफ्तार किया।

विदेशी कंपनी के नाम पर बनाते विज्ञापन

दोनों लोग विदेशी कंपनियों के नाम पर फर्जी जॉब विज्ञापन तैयार करते है। इसमें ऊंची सैलरी, फ्री वीज़ा, टिकट और तत्काल जॉइनिंग का लालच दिया जाता है। इस विज्ञापन को WhatsApp, Telegram और Facebook पेज पर विज्ञापन करते है।

इन दोनों ने FUTURE LIGHT MANPOWER नामक की एक कंपनी खोली थी जिसके जरिए ये पूरा ठगी की जा रही थी।

संपर्क होने पर ठगी शुरू

एक बार संपर्क करने पर ये लोग लोगों को लुभावना आफर देते। इसके बाद प्रोसेस के नाम पर उनके दस्तावेज मंगवाकर उनको फर्जी टिकट, ऑफर लेटर भेजते। फिर प्रोसेसिंग फीस, वीज़ा चार्ज, मेडिकल और एम्बेसी अप्रूवल के नाम पर मोटी रकम वसूली जाती थी। ये रकम प्रति व्यक्ति दो से ढाइ लाख तक होती है।

शार्ट न्यूज

ग्रेटर नोएडा में दूध कारोबारी के घर पर फायरिंग

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के कासना कोतवाली क्षेत्र स्थित सलेमपुर गांव में एक दूध कारोबारी के घर पर दिनदहाड़े फायरिंग की गई। बाइक सवार चार बदमाशों ने इस घटना को अंजाम दिया, जो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस के अनुसार, यह फायरिंग पुराने विवाद के चलते दहशत फैलाने के उद्देश्य से की गई है। कासना कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सलेमपुर गांव निवासी दूध कारोबारी बाबूराम के घर पर शनिवार दोपहर नकाबपोश चार बदमाशों ने गोलियां चलाईं। पुलिस ने बताया कि घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई बड़ी अनहोनी टल गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि करीब चार महीने पहले बाबूराम के बेटे अभिषेक का पड़ोस में रहने वाले जौली गांव के एक युवक से झगड़ा हुआ था। आशंका है कि इसी विवाद के चलते आरोपी युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर दहशत फैलाने के लिए फायरिंग की है।

ग्रेटर नोएडा में महिला ने किया सुसाइड

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 कोतवाली क्षेत्र स्थित सिग्मा-2 ग्रीन बेल्ट में शनिवार सुबह एक महिला का शव पेड़ से लटका मिला। सुबह टहलने निकले स्थानीय लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतारा। प्रारंभिक जांच में महिला के शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। मृतका की पहचान बबली (48) पत्नी स्वर्गीय मांगेराम, निवासी नट मड़ैया के रूप में हुई है। कोतवाली पुलिस के अनुसार, महिला ने पारिवारिक कारणों के चलते पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या की है। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति और स्पष्ट हो पाएगी।

नोएडा में बच्चे पर कुत्ते ने किया हमला

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की पंचशील ग्रीन-2 सोसाइटी में एक आवारा कुत्ते ने चार साल के बच्चे पर हमला कर दिया। यह घटना सोसाइटी परिसर में हुई, जहां बच्चा खेल रहा था। कुत्ते के काटने के बाद बच्चे को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया गया। फिलहाल, बच्चा शारीरिक रूप से सुरक्षित है। बच्चे के पिता वेद प्रकाश, जो पंचशील ग्रीन-2 सोसाइटी के निवासी हैं, ने बताया कि घटना तब हुई जब उनका बच्चा सोसाइटी के खुले क्षेत्र में दौड़ते हुए खेल रहा था। परिसर में घूम रहे एक आवारा कुत्ते ने अचानक उस पर हमला कर दिया। बच्चे की चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और कुत्ते को भगाया। इसके बाद बच्चे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे रेबीज का इंजेक्शन और प्राथमिक उपचार दिया गया। इस घटना के बाद बच्चे के पिता ने सोसाइटी प्रबंधन और बिल्डर पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

दादरी के पब्लिक स्कूल मे मनाया नेशनल साइंस डे

ग्रेटर नोएडा। दादरी के विद्याराम पब्लिक स्कूल में नेशनल साइंस डे के मौके पर एक भव्य साइंस एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। छोटे-छोटे बच्चों ने विज्ञान के प्रति अपनी समझ दिखाते हुए ऐसे प्रोजेक्ट्स तैयार किए, जिन्हें देखकर वहां मौजूद अभिभावक और शिक्षक दंग रह गए। बता दे कि दादरी स्थित विद्याराम पब्लिक स्कूल में आज का दिन विज्ञान के नाम रहा। नेशनल साइंस डे के अवसर पर आयोजित इस प्रदर्शनी में नन्हे वैज्ञानिकों ने अपनी रचनात्मकता और सोच का लोहा मनवाया। प्रदर्शनी में जहाँ एक तरफ चंद्रयान के मॉडल ने सभी का ध्यान खींचा और भारत की अंतरिक्ष शक्ति को दर्शाया, वहीं दूसरी ओर बच्चों ने भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती यानी जल संकट पर भी अपनी चिंता जताई।बच्चों ने आने वाले अभिभावकों को बड़े ही सरल तरीके से समझाया कि कैसे हम बरसात के पानी को संचित कर सकते हैं और लगातार गिरते भूजल स्तर को बचा सकते हैं।

ग्रेटर नोएडा में दो दुकानों में लगी आग

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बिसरख थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर-1 में दो अस्थायी दुकानों में भीषण आग लग गई। यह घटना शनिवार सुबह हुई ,सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। यह आग अरिहंत ऑर्डन सेक्टर-1 सोसाइटी के सामने बने स्थानीय बाजार की दो टीन शेड वाली दुकानों में लगी थी। आग लगने के बाद घटनास्थल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था।पास में अन्य दुकान भी थी,आग तेज होता देख लोगों ने दमकल विभाग को इसकी सूचना दी। जिला दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि दमकल विभाग को 6: 57 बजे आग लगने की सूचना मिली। सूचना के बाद तीन अग्निशमन वाहन मौके के लिए रवाना किए गए, हालांकि आग बुझाने के लिए केवल एक वाहन की आवश्यकता पड़ी।

युवती के सुसाइड केस में आया नया मोड़

नोएडा। सेक्टर-66 में 21 फरवरी को एक युवती ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला था। परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार किया। 27 फरवरी को मृतका की बहन ने थाना फेज-3 में तीन युवकों पर बहन को ब्लैकमेल , वीडियो वायरल की धमकी से परेशान करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। एडीसीपी आर के गौतम ने बताया कि पुलिस जांच में युवती को ब्लैकमेल करने के साक्ष्य नहीं मिले है,ना ही कोई आपत्तिजनक वीडियो मिला है। मामले में एक आरोपी ग्यासी को गिरफ्तार किया गया। बाकी दो की तलाश की जा रही है। औरेया निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि वह वर्तमान में नोएडा में दो बहनों और एक भाई के साथ रहती हैं। तीनों बहन सेक्टर-64 स्थित एक कंपनी में नौकरी करतीं। उनकी एक छोटी बहन को पिछले कुछ दिनों से ग्यासी राजपूत, प्रीति सैनी और विपिन यादव फोन कर परेशान कर रहे थे। वह उसे ब्लैकमेल कर कई बार रुपये भी ऐंठ चुके।

फलैदा बांगर-सोलडा मार्ग का निर्माण शुरू

जेवर। जेवर विधानसभा क्षेत्र में फ़लैदा बांगर से हरियाणा के सोलडा मार्ग तक बनने वाली सड़क का निर्माण कार्य शनिवार को शुरू कर दिया गया। यह सड़क फ़लैदा खादर से होकर गुजरेगी। उत्तर प्रदेश और हरियाणा की मातृशक्ति ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। करीब दो किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण 1.37 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। यह मार्ग उत्तर प्रदेश और हरियाणा के बीच अंतरराज्यीय आवागमन को सुगम बनाएगा। इसके साथ ही यह सड़क नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इससे क्षेत्र में व्यापार, रोजगार और स्थानीय विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस मौके पर जेवर विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सड़कों, एक्सप्रेसवे और हवाईअड्डा परियोजनाओं के विस्तार से ग्रामीण क्षेत्रों को भी सीधा लाभ मिल रहा है।

ग्रेटर नोएडा में पुलिस मुठभेड़, दो बदमाश घायल

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। जबकि गोवध की साजिश में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग कर रही थी। रोनिजा कट के पास एक ऑटो को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने वाहन मोड़कर भागने का प्रयास किया। पीछा करने पर ऑटो सवार बदमाशों ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में कार्रवाई की, जिसमें सैयद अमीन (35) निवासी शाहीनबाग, नई दिल्ली और गोरामिया (32) निवासी नूंह, हरियाणा गोली लगने से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

कोतवाली में समाधान दिवस आयोजित

होली को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश, अफवाहों से बचने की अपील

पीलीभीत। जनपद में प्रशासनिक सक्रियता के तहत शनिवार को पीलीभीत में थाना कोतवाली परिसर में समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

इस दौरान जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह और पुलिस अधीक्षक ने आमजन की शिकायतें सुनकर संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रों की बिंदुवार समीक्षा की गई। राजस्व से जुड़े मामलों में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करने और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी शिकायतों का निस्तारण पारदर्शिता के साथ तय समय सीमा में किया जाए, जिससे जनता को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। समाधान दिवस के उपरांत थाना क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों एवं धर्मगुरुओं के साथ आगामी होली पर्व के मद्देनजर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी से आपसी सौहार्द, भाईचारा और सामाजिक समरसता बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाने की अपील की गई।

प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया कि कोई भी नई परंपरा शुरू न की जाए तथा होलिका दहन पूर्व निर्धारित स्थानों पर ही किया जाए। डीजे संचालकों को शासन द्वारा निर्धारित ध्वनि मानकों और समय सीमा का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए।

जनपदीय पुलिस और प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। यदि कोई संदिग्ध सूचना या गतिविधि दिखाई दे तो तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बैठक में क्षेत्राधिकारी नगर दीपक चतुर्वेदी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाभी का सीना फाड़ा, 7 घंटे बाद जान दी

झांसी। झांसी में शनिवार को एक महिला पर उसके देवर ने चाकू से हमला कर दिया। उसने महिला के सीने, गले और हाथ पर ताबड़तोड़ वार किए और फिर चाकू से सीना फाड़ दिया। इसके 7 घंटे बाद देवर थाने से करीब 100 मीटर दूर पेड़ से लटका मिला। सुबह महिला अपनी 5 साल की बेटी को तैयार कर रही थी। इसी बीच प्रेमी देवर घर में घुस आया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद उसने चाकू से हमला बोल दिया। मां को घायल देखकर बच्ची घबराकर छत पर जा पहुंची। वह टीनशेड पर कूदकर चिल्लाने लगी- मेरी मम्मी को बचा लो। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक देवर वहां से भाग चुका था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल महिला को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर है।

बाप की पुकार भी न रोक सकी कदम

घुंघचाई में दो सगी बहनें प्रेमियों संग गईं, बच्चों का भविष्य अधर में

पीलीभीत। बदलते सामाजिक परिवेश में रिश्तों की परिभाषा जिस तेजी से बदल रही है, उसका एक मार्मिक उदाहरण घुंघचाई क्षेत्र में सामने आया। यहां दो विवाहित सगी बहनें अपने-अपने छोटे बच्चों और परिवार को पीछे छोड़ प्रेम संबंधों के साथ जाने पर अडिग रहीं। थाने में करीब एक घंटे तक चला समझाने-बुझाने का दौर भी उनके फैसले को नहीं बदल सका।

घुंघचाई थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली दोनों बहनें 13 फरवरी को दवा लेने की बात कहकर घर से निकली थीं। देर शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की। कोई सुराग न मिलने पर ससुराल पक्ष ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। बताया जाता है कि दोनों की शादी एक ही परिवार में हुई थी और उनके छोटे-छोटे बच्चे हैं। परिवार को उम्मीद थी कि वे सकुशल लौट आएंगी।

शुक्रवार दोपहर दोनों महिलाएं अचानक थाने पहुंचीं। खबर मिलते ही परिजन भी वहां आ गए। थाने परिसर में भावुक माहौल बन गया। परिजनों ने बच्चों का हवाला देते हुए घर लौटने की अपील की। मासूमों का ख्याल करो जैसी बातें बार-बार दोहराई गईं, लेकिन दोनों महिलाएं अपने निर्णय पर अटल रहीं। पुलिस सूत्रों के अनुसार दोनों बालिग हैं और उन्होंने अपनी इच्छा से साथ जाने की बात कही। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद वे अपने-अपने साथियों के साथ चली गईं। घटना के बाद गांव और आसपास के क्षेत्रों में चर्चा का दौर जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता अपनी जगह है, लेकिन छोटे बच्चों का भविष्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सामाजिक विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों में परिवारों को संवाद और काउंसलिंग की जरूरत होती है, ताकि भावनात्मक निर्णयों का असर मासूमों पर कम से कम पड़े।

मोबाइल, सोशल मीडिया और बदलती जीवनशैली के बीच पारिवारिक संरचनाएं नई चुनौतियों से जूझ रही हैं। यह घटना एक ओर व्यक्तिगत अधिकारों की बात करती है तो दूसरी ओर पारिवारिक जिम्मेदारियों की याद भी दिलाती है। घुंघचाई की यह घटना भले ही कानूनी रूप से व्यक्तिगत निर्णय हो, लेकिन सामाजिक स्तर पर यह बच्चों के भविष्य और रिश्तों की मजबूती को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

ललितपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 2 व 3 पर हुआ कैंटीन का शुभारंभ

ललितपुर। स्टेशन प्रबंधक धर्मेश चतुर्वेदी और सीटीआई संजय चौबे ने फीता काटकर किया कैंटीन का शुभारंभ। एमके एण्ड सन्स के द्वारा ललितपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 2 व 3 पर कैंटीन का शुभारंभ किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर स्टेशन प्रबंधक धर्मेश चतुर्वेदी और सीटीआई संजय चौबे ने फीता काटकर कैंटीन का शुभारंभ किया और एमके एंड सन्स को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कैंटीन मालिक ने मुख्य अतिथि स्टेशन प्रबंधक धर्मेश चतुर्वेदी को स्नेह चिन्ह भेंट किया। इस मौके पर मनीष कुमार, विकास जैन, अमित अग्रवाल, राजेश सेंगर, सोमेश अग्रवाल, जुनैद खान, महावीर सिंह, मुकुल कुमार, बृजेश और समाजसेवी पत्रकार चन्दन सिंह अहिरवार मौजूद रहे।

एचपीवी वैक्सीन का शुभारम्भ : जनपद में टीकाकरण अभियान को मिली नई दिशा

गांधी सभागार में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक समेत वरिष्ठ अधिकारियों की रही मौजूदगी

पीलीभीत। महिलाओं और किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए चलाए जा रहे राष्ट्रीय अभियान के तहत शनिवार को एचपीवी वैक्सीन का शुभारम्भ किया गया।

प्रधानमंत्री द्वारा पूर्वाह्न 11: 30 बजे वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम का शुभारम्भ किए जाने के उपरांत जनपद पीलीभीत में भी गांधी सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव, मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) युगल किशोर सांगुडी तथा जिला प्रतिरक्षण अधिकारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ नगर क्षेत्र की आशाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सहयोग संस्थान के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

किशोरियों के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में अत्यंत प्रभावी है।

समय पर टीकाकरण से भविष्य में होने वाले गंभीर रोगों से बचाव संभव है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जनपद में चरणबद्ध तरीके से लक्षित आयु वर्ग की बालिकाओं का टीकाकरण कराया जाएगा। इसके लिए स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से व्यापक अभियान चलाया जाएगा।

शार्ट न्यूज

डीएम- एसपी ने खुद सुनी फरियादियों की फरियाद, लापरवाही पर सख्त निर्देश

हरिनारायण यादव ब्यूरो विशाल इंडिया

गाजीपुर। जिले के थाना जंगीपुर में शनिवार को आयोजित थाना दिवस आम जनता के लिए उम्मीद और प्रशासन के लिए सख्ती का मंच बनकर सामने आया। जिलाधिकारी अविनाश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक डॉ ईरज राजा ने स्वयं फरियादियों की समस्याएं सुनीं और स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब शिकायतों के निस्तारण में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। थाना दिवस के दौरान राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों को संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए। डीएम-एसपी ने साफ किया कि हर फरियादी की शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और समाधान सिर्फ कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीन पर दिखना चाहिए। त्योहारों को ध्यान में रखते हुए अपराध रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर, महिला हेल्प डेस्क सहित अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों का भी गहन निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक ने चेताया कि थाना दिवस में प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण तय समय में न होने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी।

डीएम- एसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

हरिनारायण यादव ब्यूरो विशाल इंडिया

गाजीपुर। जिलाधिकारी अविनाश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक डॉ ईरज राजा द्वारा जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार की मेस, बैरकों तथा अन्य संवेदनशील स्थानों की सघन तलाशी लेते हुए पूरे परिसर का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के समय कैदियों की मूलभूत सुविधाओं, साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता, सुरक्षा व्यवस्था एवं अनुशासनात्मक स्थिति की गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों ने कारागार में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के सख्त निर्देश देते हुए संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। डीएम-एसपी के औचक निरीक्षण से कारागार प्रशासन में हड़कंप मचा रहा और व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने का स्पष्ट संदेश दिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस प्रकार के औचक निरीक्षण जारी रहेंगे, ताकि सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं में कोई कमी न रह जाए।

पार्किंग में आग लगने से तीन वाहन जले

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज स्थित लालबाग इलाके में शनिवार शाम एक अपार्टमेंट की पार्किंग में खड़े तीन वाहनों में आग लग गई। सूचना पर पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी की जनहानि नहीं हुई है। हजरतगंज के लालबाग स्थित केपी अपार्टमेंट (123/35) की पार्किंग में खड़ी स्कूटी में शनिवार शाम अचानक आग लग गई। देखते ही देखते स्कूटी से तेज लपटें उठने लगीं और आग ने बगल में खड़े ऑटो और वैगनआर कार को भी अपनी चपेट में ले लिया। वाहनों में आग लगने से पार्किंग से काला धुआं उठने लगा। धुआं फैलता देख अपार्टमेंट के लोग एहतियातन बाहर निकल आए। इसी बीच किसी ने हजरतगंज फायर स्टेशन को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। फायर कर्मियों ने डिलीवरी होज पाइप बिछाकर राहत कार्य शुरू किया और करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पा लिया। आग की चपेट में आकर स्कूटी, कार और ऑटो का बड़ा हिस्सा जलकर क्षतिग्रस्त हो गया।

शादी समारोह में हर्ष फायरिंग से मची भगदड़

गोरखपुर। गोरखपुर के कैंट इलाके में स्थित नेपाल क्लब में शुक्रवार की रात 1: 40 बजे हर्ष फायरिंग से अफरा तफरी मच गई। शादी के बीच ही अचानक एक शख्स ने लाइसेंसी रिवाल्वर से फायरिंग शुरू की तब वहां भगदड़ मच गई। खुद को बचाने के लिए लोग भागने लगे। मौजूद लोगों ने किसी तरह से हिम्मत कर रोका और पुलिस को सूचना दी। क्लब के संचालक की तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर दहशत फैलाने व हत्या की कोशिश का केस दर्ज कर पुलिस ने शनिवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया। आरोपी की पहचान बहराइच जिले के कोतवाली देहात के घसियारीपुर निवासी संतोष कुमार सिंह के रूप में हुई है। क्लब के प्रोपराइटर अतुल कुमार श्रीवास्तव ने केस दर्ज कराया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि शिवपुर कॉलोनी निवासी आरके सिंह ने क्लब को बुक कराया था। सबकुछ कार्यक्रम ठीक ठाक चल रहा था और लोग समारोह में मौजूद थे।

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव में उत्कृष्ट सेवाओं पर सिविल डिफेंस टीम सम्मानित

जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने गांधी स्टेडियम में किया कोर चीफ वार्डन अमृत लाल व टीम का अभिनंदन

पीलीभीत। भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव के सफल आयोजन में उल्लेखनीय योगदान देने पर सिविल डिफेंस टीम को सम्मानित किया गया। आज गांधी स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह (आईएएस) ने सिविल डिफेंस कोर चीफ वार्डन अमृत लाल तथा उनकी पूरी टीम को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

Gyanendra Singh ने कहा कि महोत्सव जैसे अंतरराष्ट्रीय महत्व के आयोजनों में सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। सिविल डिफेंस टीम ने पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया, जो प्रशंसनीय है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने भी सिविल डिफेंस के कार्यों की सराहना की। कोर चीफ वार्डन अमृत लाल ने सम्मान के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि टीम भविष्य में भी जनहित और प्रशासनिक कार्यों में इसी प्रतिबद्धता के साथ सहयोग करती रहेगी। गांधी स्टेडियम में आयोजित इस सम्मान समारोह ने महोत्सव की सफलता में योगदान देने वाले स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया। प्रशासन और स्वयंसेवी संगठनों के समन्वय का यह उदाहरण आने वाले आयोजनों के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है।

यूनिवर्सिटी में रोजा रखे छात्र को पीटा

मेरठ। मेरठ की एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी में मुस्लिम छात्र को दौड़ा कर पीटा गया। उसके कपड़े फाड़ दिए। दरअसल, यूनिवर्सिटी में छात्र होली खेल रहे थे। मुस्लिक छात्र वहां से गुजर रहा था। उसने होली खेल रहे छात्रों के बीच से निकलने की कोशिश की। जिस पर विवाद हो गया। होली खेल रही छात्रों की भीड़ उसे दौड़ाने लगी, मुस्लिम छात्र भागने लगा। इस दौरान छात्रों ने उसे पकड़कर जमकर पीटा। वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। शिकायत मिलने के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने एक छात्र को निलंबित कर दिया है। मामला शुक्रवार का IIMT यूनिवर्सिटी का है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो 27 सेकंड का है। जिसमें छात्रों की भीड़ काली पैंट और सफेद कुर्ता पहने युवक को दौड़ा रही है। इस दौरान छात्र पकड़कर उसे पीटते हैं।

होली को लेकर प्रशासन सतर्क, डीएम और एसपी ने किया पैदल गश्त

ललितपुर। आगामी होली के त्यौहार के मद्देनजर जिले में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जिलाधिकारी और एसपी ने शहर में पैदल गश्त किया। होली पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सत्यप्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा शहर क्षेत्र में मय फोर्स पैदल गश्त की गई। पैदल गश्त के दौरान अधिकारियों द्वारा प्रमुख बाजारों, संवेदनशील स्थलों एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर आमजनमानस, व्यापारियों एवं संभ्रांत नागरिकों से संवाद स्थापित करते हुए सभी से होली पर्व को आपसी सौहार्द, भाईचारे एवं शांति के साथ मनाने की अपील की गई। साथ ही असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की चेतावनी देते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु सतर्क निगरानी रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

दहेज हत्या के दो आरोपित गिरफ्तार

ललितपुर। बानपुर दहेज हत्या के मुकदमे में फरार चल रहे दो आरोपितों को बानपुर पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपितों को पुलिस न्यायालय ले गई, वहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी महरौनी रक्षपाल सिंह के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बानपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 32/2026 अंतर्गत धारा 85,80(2) बीएनएस व 3/4 दहेज अधिनियम में वांछित अभियुक्तगण अतीश उर्फ कृष्णकान्त पुत्र अमोद पाल उम्र करीब 20 वर्ष,अमोद पाल पुत्र जानकी प्रसाद उम्र करीब 42 वर्ष, निवासीगण ग्राम वीर थाना बानपुर ललितपुर को नियमानुसार गिरफ्तार कर, मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम थानाध्यक्ष अरूण कुमार तिवारी थाना मय टीम उ. नि. विपिन डेडा आदि शामिल रहे।

यातायात पुलिस का सघन वाहन चेकिंग अभियान

बिना हेलमेट, नंबर प्लेट वाले वाहनों के चालान काटे गए

ललितपुर। यातायात पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए हेलमेट, सीट बेल्ट, ट्रिपल राइडिंग, फॉल्टी नंबर प्लेट और ब्लैक फिल्म के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस द्वारा जनपद के विभिन्न स्थानों पर सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। उक्त अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा, वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन के संबंध में जागरूक किया गया । अभियान के दौरान विशेष रूप से निम्न बिंदुओं पर जागरूकता प्रदान की गई। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य प्रयोग दो पहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठाने के नियम का पालन रॉन्ग साइड ड्राइविंग न करने एवं निर्धारित दिशा में ही वाहन चलाने की अपील की शहर विभिन्न प्रमुख चौराहों/तिराहों पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए कुल 323 वाहनों के चालान किए गए।

यातायात पुलिस ललितपुर आमजन से अपील करती है कि वे यातायात नियमों का पालन कर स्वयं सुरक्षित रहें तथा दूसरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करें, ताकि त्योहारों का आनंद अपने परिवार के साथ मिल जुलकर रहें।

मिशन शक्ति फेज-5.0 : महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन में महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपद के समस्त थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्रों एवं एंटी रोमियो टीमों द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया ।अभियान के दौरान बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, विद्यालयों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया। उन्हें उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान एवं आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने, यौन उत्पीड़न से बचाव एवं उसके विरुद्ध निर्भीक होकर आवाज उठाने, तथा साइबर अपराधों से बचने के उपायों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त महिलाओं एवं किशोरियों को उनके विधिक अधिकारों तथा विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर उनका तत्काल उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया ।आपात सहायता हेतु महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर 112 आपातकालीन सेवा 1090 / 1091 महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 181 महिला हेल्पलाइन 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन मिशन शक्ति जागरूकता टीमों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को आश्वस्त किया गया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा साइबर ठगी की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस द्वारा तत्काल एवं प्रभावी विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। नारी सुरक्षा केवल दायित्व नहीं, ललितपुर पुलिस का दृढ़ संकल्प है।

होली व रमजान के त्यौहारों को लेकर जिलाधिकारी ने धर्मगुरुओं व प्रबुद्धजनों के साथ की शान्ति समिति की बैठक

होली व रमजान के त्यौहारों को आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाएं जनपदवासी

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने कलैक्ट्रेट सभागार में जनपद के धर्मप्रमुखों व प्रबुद्धजनों साथ शान्ति समिति की बैठक कर आमागी होली व रमजान के त्यौहारों को आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाये जाने की अपील की, साथ ही पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को त्यौहारों के लिए सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि त्यौहार के दौरान अशान्ति फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी, इसके अलावा पुलिस अधिकारी होलिका दहन हेतु चिन्हित स्थलों पर सतत् निगरानी रखें, कोई भी अराजक तत्व उत्पात न मचाये। त्यौहार पूरी शान्ति व सौहार्द के साथ सम्पन्न हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने अलग अलग क्षेत्रों में पुलिस व प्रशासन के अधिकारी तैनात किये हैं जो प्रत्येक गतिविधियों पर नजर रखेगें।

उन्होंने धर्मगुरुओं से अपील की कि ललितपुर में हमेशा आपसी भाईचारे के साथ त्यौहार मनाये जाते रहे हैं, इस वर्ष भी हमें इस परम्परा को कायम रखना है, आप सभी अपने-अपने लोगों तक प्रशासन का यह संदेश पहुंचाएं, साथ ही उन्हें समझाये कि त्यौहार के दौरान किसी भी तरह की अराजकता न हो।

संक्षिप्त समाचार

स्पेसएक्स क्रू–11 की समय से पहले वापसी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने स्पेसएक्स के क्रू–11 मिशन की समय से पहले वापसी को लेकर जानकारी दी है। अंतरिक्ष यात्री माइक फिंके ने बताया कि 7 जनवरी को अंतरिक्ष स्टेशन पर उन्हें स्वास्थ्य समस्या हुई, इसके बाद सभी चार सदस्यों को निर्धारित समय से पहले लौटाने का फैसला किया। नासा के अनुसार यह आपात स्थिति नहीं थी, बल्कि उन्नत मेडिकल जांच के लिए कदम था। क्रू–11 का कैप्सूल 15 जनवरी को सैन डिएगो तट के पास सुरक्षित उतरा और साढ़े पांच माह का मिशन पूरा हुआ।

पेंटागन ने ज्वाइंट स्टाफ निदेशक पद से वाइस एडमिरल को हटाया

पेंटागन, एजेंसी। पेंटागन ने अमेरिकी नौसेना के वाइस एडमिरल फ्रेड कैचर को ज्वाइंट स्टाफ के निदेशक पद से हटा दिया है। कैचर ने दिसंबर में ही यह पद संभाला था। प्रवक्ता ने पुष्टि की कि काचर अब अमेरिकी नौसेना में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे, लेकिन हटाने का कारण नहीं बताया। सूत्रों के अनुसार वे इस पद के लिए उपयुक्त नहीं माने गए, हालांकि किसी विशेष वजह का खुलासा नहीं हुआ। डेन केन ने उनके योगदान की सराहना की। कैचर इससे पहले जापान स्थित अमेरिकी सातवें बेड़े के कमांडर और यूएस नेवल अकादमी के प्रमुख रह चुके हैं।

अमेरिका : रिटायर्ड पायलट ने चीन में दी ट्रेनिंग, गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां पर पूर्व अमेरिकी वायु सेना के एलीट फाइटर पायलट और एफ–35 प्रशिक्षक गेराल्ड एडी ब्राउन जूनियर को चीनी सैन्य पायलटों को गुप्त रूप से लड़ाकू प्रशिक्षण देने के गंभीर आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल जॉन ए आइजेनबर्ग ने कहा, अमेरिकी वायु सेना ने मेजर ब्राउन को एक विशिष्ट लड़ाकू पायलट के रूप में प्रशिक्षित किया था और राष्ट्र की रक्षा की जिम्मेदारी सौंपी थी। एजेंसी 2023 में ब्राउन ने चीन जाकर दिया प्रशिक्षण...ब्राउन के सैन्य करियर में संवेदनशील इकाइयों का नेतृत्व, युद्ध अभियानों का संचालन और एफ–4, एफ–15, एफ–16, ए–10 तथा एफ–35 जैसे विमानों पर लड़ाकू पायलट एवं सिम्युलेटर प्रशिक्षक के रूप में सेवा शामिल थी।

हांगकांग कोर्ट ने जिमी लाई की धोखाधड़ी में मिली सजा रद्द की

विक्टोरिया, एजेंसी। हागकांग की अपीलीय अदालत ने पूर्व मीडिया कारोबारी जिमी लाई को राहत देते हुए उनकी धोखाधड़ी मामले में सजा रद्द कर दी। 78 वर्षीय लाई ने बंद हो चुके अखबार एपल डेली की स्थापना की थी और वे चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मुखर आलोचक रहे हैं। हालांकि, उन्हें हाल ही में चीन की ओर से लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत एक अन्य मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई है, इसलिए वे जेल में ही रहेंगे।

आईएमएफ ने कहा– अमेरिकी अर्थव्यवस्था बेहद मजबूत

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मॉन्ट्रियल फंड ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बताते हुए कहा कि 2026 में वृद्धि दर बढ़कर 2.4 फीसदी तक पहुंच सकती है, जो 2025 के 2.2 फीसदी से अधिक होगी। आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जिएवा ने कहा कि बेरोजगारी दर 4.5 फीसदी से घटकर 4.1 फीसदी हो सकती है और महंगाई 2027 तक फेडरल रिजर्व के दो फीसदी लक्ष्य तक आ सकती है।

सूडान के दारफुर में हिंसा

दारफुर , एजेंसी। सूडान के दारफुर क्षेत्र में अर्धसैनिक बलों के हमलों के बाद हालात और बिगड़ गए हैं। डॉक्टरों के एक समूह के अनुसार, हालिया हमलों में कम से कम 28 लोगों की मौत हुई और 39 घायल हुए। तीन हजार से ज्यादा लोग अपने घर छोड़कर भागने को मजबूर हुए हैं। ज्यादातर विस्थापित महिलाएं और गर्भवती महिलाएं हैं, जिनके पास न भोजन है न ही आश्रय।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की छात्रा की गिरफ्तारी

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी की छात्रा एली आघायेवा को इमिग्रेशन अधिकारियों ने हिरासत में लिया। अधिकारियों ने अपार्टमेंट में प्रवेश के लिए 'लापता व्यक्ति' की तलाश का बहाना बनाया। छात्रा के वकीलों का दावा है कि बिना वारंट गिरफ्तारी की गई। बाद में न्यूयॉर्क के मेयर ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप से बात के बाद छात्रा को रिहा करने पर सहमति बनी। यह मामला अमेरिका में सख्त हो रही इमिग्रेशन नीति पर नई बहस छेड़ रहा है।

आरोप- बांग्लादेश सरकार ने डिफाल्टर को सेंट्रल बैंक गवर्नर बनाया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में सेंट्रल बैंक के नए गवर्नर की नियुक्ति को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष का आरोप है कि तारिक रहमान की सरकार ने एक डिफाल्टर को कारोबारी को सेंट्रल बैंक गवर्नर बना दिया है, जो देश में भीड़तंत्र की शुरुआत जैसा है। बांग्लादेश बैंक के नए गवर्नर के रूप में मोस्ताकुर रहमान की नियुक्ति के बाद राजनीतिक घमासान तेज हो गया। जमात ए इस्लामी के प्रमुख और विपक्ष के नेता शफीकुर रहमान ने कहा कि यह फैसला पीएम की शह पर लिया गया है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इससे पहले सरकार ने अहसान हबीब मंसूर का कार्यकाल अचानक खत्म कर दिया था, जिन्हें मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने नियुक्त किया था। मंसूर ने कहा कि उन्होंने न इस्तीफा दिया और न ही उन्हें हटाए जाने की कोई आधिकारिक सूचना मिली। उन्हें यह खबर मीडिया के जरिए पता चली।

गारमेंट कारोबारी रहे हैं मोस्ताकुर रहमान : मोस्ताकुर रहमान की नियुक्ति इसलिए अलग मानी जा रही है क्योंकि अब तक बांग्लादेश में केंद्रीय बैंक का गवर्नर आमतौर पर अनुभवी बैंकर, अर्थशास्त्री या वरिष्ठ सिविल सेवक होते रहे हैं। मोस्ताकुर एक कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट और गारमेंट कारोबारी हैं। वे हेरा स्वेटर्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं और

विपक्ष बोला- ये बर्दाश्त नहीं कर सकते, देश में भीड़तंत्र चल रहा

हालिया चुनाव में तारिक रहमान की बीएनपी पार्टी की केंद्रीय चुनाव संचालन समिति से भी जुड़े रहे थे। उनकी नियुक्ति को लेकर कर्ज चुकाने से जुड़े पुराने मामलों पर भी सवाल उठ रहे हैं। बीडी न्यूज24 की रिपोर्ट में कहा गया कि उनकी कंपनी 86 करोड़ टका का कर्ज समय पर नहीं चुका पाई थी। एक बैंक अधिकारी ने कहा कि जो इंसान अपनी ही कंपनी के लिए स्पेशल कंडीशन पर कर्ज का पुनर्गठन कराता है, वह देश के बैंकिंग सिस्टम के हितों की रक्षा कैसे करेगा। यूनिवर्सिटी ऑफ ढाका के पूर्व प्रोफेसर दीन इस्लाम ने भी कहा कि किसी एक्टिव कारोबारी को केंद्रीय बैंक का गवर्नर बनाना गलत संदेश देता है और इससे हितों के टकराव की आशंका बढ़ती है।

विपक्ष ने मोस्तकुर को गवर्नर बनाने पर विरोध जताया : मोस्ताकुर की नियुक्ति के बाद विपक्षी नेता शफीकुर रहमान ने फेसबुक पर लिखा कि बांग्लादेश बैंक में जो हो रहा है वह दुर्भाग्यपूर्ण और पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि किसी को भी गवर्नर और उनके सलाहकारों जैसे सम्मानित लोगों को इस तरह अपमानित करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब देश की अर्थव्यवस्था पहले से कई समस्याओं से जूझ रही है, तब बांग्लादेश बैंक जैसी महत्वपूर्ण संस्था में इस तरह की कार्रवाई बची हुई अर्थव्यवस्था को भी बर्बाद कर देगी। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और समाज के सभी वर्गों से विरोध करने की अपील की और कहा कि अगर सरकार सच में लोकतांत्रिक और भेदभाव-रहित बांग्लादेश बनाना चाहती है तो ऐसी गतिविधियां तुरंत बंद होनी चाहिए। जरूरी पदों पर नियुक्तियां योग्यता के आधार पर होनी चाहिए, न कि राजनीतिक निष्ठा के आधार पर।

अहसान हबीब को गवर्नर पद से हटाने का विरोध : विवाद की दूसरी बड़ी वजह उनकी नियुक्ति की परिस्थितियां हैं। अहसान हबीब मंसूर 2024 में चार साल के लिए गवर्नर बनाया गया था और उनका कार्यकाल अगस्त 2028 तक था, लेकिन 18 महीने से भी कम समय में ही उनका कार्यकाल खत्म कर दिया गया। मंसूर को हटाए जाने से पहले कुछ अधिकारियों ने उनके खिलाफ तानाशाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। हालांकि, मंसूर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इन आरोपों को साजिश बताया था।

अहसान हबीब मंसूर की बर्खास्तगी से देश में कई लोग हैरान हैं। उन्हें 27 साल का अनुभव है। वे आईएमएफ जैसी संस्थाओं में काम कर चुके हैं। 2024 में शेख हसीना और उनकी अवामी लीग सरकार के हटने के बाद जब देश में आर्थिक अस्थिरता थी, तब उन्हें जिम्मेदारी दी गई थी। जब उन्होंने पद संभाला था तब फॉरेन करेंसी रिजर्व 26 अरब डॉलर था। उनके पद छोड़ने तक यह बढ़कर 35 अरब डॉलर हो गया। उन्होंने टका को 122.20 प्रति डॉलर पर स्थिर किया और महंगाई दर को 2024 के 10.49% से घटाकर जनवरी 2026 में 8.58% तक लाने के लिए पॉलिसी अपनाई।

जिनेवा में यूएस-ईरान परमाणु वार्ता हुई पूरी, पश्चिम एशिया में सैन्य जमावड़े से युद्ध की आशंका

जिनेवा, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक बार फिर अप्रत्यक्ष वार्ता हुई। स्विट्जरलैंड के जिनेवा में हो रही इस बातचीत पर पूरी दुनिया की नजर टिकीं थी, क्योंकि इसी के साथ पश्चिम एशिया में सैन्य हलचल भी तेज हो गई है। वार्ता का उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करना और संभावित युद्ध को टालना बताया गया है, जबकि अमेरिका पश्चिम एशिया में अपने विमान और युद्धपोतों का बड़ा बेड़ा तैनात कर रहा है।

युद्ध टालने की कोशिश, लेकिन खतरा बरकरार : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने जिनेवा रवाना होने से पहले चेतावनी दी कि अगर अमेरिका हमला करता है तो क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने निशाने पर होंगे। उन्होंने कहा यह किसी के लिए जीत की स्थिति नहीं होगी। पूरा क्षेत्र एक विनाशकारी युद्ध की चपेट में आ सकता है। ईरान पहले ही संकेत दे चुका है कि वह इस्राइल को भी निशाना बना सकता है, जिससे पूरे मध्य पूर्व में बड़े संघर्ष की आशंका बढ़ गई है।

पिछले साल युद्ध से टूटी थी बातचीत : पिछले वर्ष कई दौर की वार्ता उस समय पटरी से उतर गई थी जब इस्राइल ने ईरान पर 12 दिन तक हमले किए और अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर भारी

बमबारी की। हालांकि नुकसान की पूरी तस्वीर अभी स्पष्ट नहीं है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान फिलहाल यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा, लेकिन वह उस स्तर तक पहुंचने की कोशिश में है जहां से परमाणु हथियार बनाना संभव हो सके।

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ी सैन्य हलचल : उधर, अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के जहाजों की गतिविधियों में भी बदलाव देखा गया है। सैटेलाइट तस्वीरों से संकेत मिला है कि बहरीन स्थित अमेरिकी नौसैनिक अड्डे से कई पोत समुद्र में तैनात किए गए हैं। तेल बाजार भी इस तनाव से प्रभावित है। ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 70 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। पिछली वार्ता के दौरान ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही अस्थायी रूप से रोकने का संकेत दिया था, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति पर असर पड़ा था।

किम जोंग-उन की साउथ कोरिया को चेतावनी, बोले- खतरा हुआ तो 'पूरी तरह तबाह' कर देंगे

प्योंगयांग, एजेंसी। नॉर्थ कोरिया के शासक किम जोंग-उन ने साउथ कोरिया को कड़ी चेतावनी दी है। किम ने कहा है कि उनके देश की सुरक्षा को खतरा हुआ तो वे साउथ कोरिया को 'पूरी तरह नष्ट' कर सकते हैं। प्योंगयांग में सात दिन चली वर्कर्स पार्टी कांग्रेस के समापन पर किम ने अगले पांच वर्षों के लिए परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को तेज करने का खाका पेश किया। उन्होंने पानी के भीतर से दागे जा सकने वाले इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल, सामरिक परमाणु हथियारों के विस्तार, परमाणु-संचालित पनडुब्बी, एआई-युक्त ड्रोन और उन्नत उपग्रह विकसित करने की बात कही। किम ने साउथ कोरिया को 'स्थायी दुश्मन' बताते हुए कहा कि उससे बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। वहीं, उन्होंने कहा कि अमेरिका यदि प्रतिबंध और दबाव की नीति छोड़े तो संवाद संभव है। कांग्रेस के बाद राजधानी में भव्य सैन्य परेड आयोजित की गई, जिसमें किम अपनी बेटी के साथ नजर आए। एक्सपर्ट्स का मानना है कि किम

एक ओर अपने परमाणु कार्यक्रम को मजबूती दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अमेरिका के साथ भविष्य की संभावित बातचीत के लिए विकल्प भी खुले रख रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र की जांचकर्ता पर अमेरिकी प्रतिबंध : वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार जांचकर्ता फ्रांसेस्का अल्बानीज के परिवार ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। उनका कहना है कि इस्राइल की आलोचना करने पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंध अभिव्यक्ति की आजादी का उल्लंघन हैं। अल्बानीज ने गाजा में इजराइली कार्रवाई को 'जनसंहार' बताया था, जिसे अमेरिका और इस्राइल ने खारिज किया। परिवार का कहना है कि प्रतिबंधों से उनका निजी और पेशेवर जीवन प्रभावित हुआ है।

'जो होना है, वह हमने बता दिया', यूरेनियम संवर्धन पर ईरानी विदेश मंत्री अराघची की अमेरिका को दो टूक

जिनेवा, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के दौरान जिनेवा में दोनों देशों ने वार्ता की। कई घंटों की बैठक के बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि यह गहरी चिंता भरी लंबी बातचीतों में से एक है। जिनेवा में अब तक हुई इन चर्चाओं के बाद कोई समझौता नहीं हो सका, जिससे पश्चिम एशिया में फिर से युद्ध की आशंका बनी हुई है। अब्बास अराघची ने गुरुवार को ईरानी सरकारी टीवी से बातचीत में कहा कि जो कुछ होना है, वह हमारी ओर से साफ कर दिया गया है। हालांकि उन्होंने बातचीत के विवरण साझा नहीं किए। अमेरिकी पक्ष की ओर से भी तत्काल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई और व्हाइट हाउस ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी।

अगले हफ्ते फिर होगी अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत जिनेवा में हुई कई घंटों की अप्रत्यक्ष वार्ता के बावजूद दोनों पक्षों के बीच कोई समझौता नहीं हो सका। वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने कहा कि बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। हालांकि, उन्होंने भी विस्तार से जानकारी नहीं दी। आगे की वार्ता का दौर अगले सप्ताह वियना में होगा, जहां अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी का मुख्यालय स्थित है। वार्ता समाप्त होने से ठीक पहले ईरानी सरकारी टीवी ने बताया कि तेहरान यूरेनियम संवर्धन जारी रखने के अपने अधिकार पर अडिग है और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटाने की मांग कर रहा है। यह रुख अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मांगों से अलग माना जा रहा है। ट्रंप की मांग है कि ईरान यूरेनियम संवर्धन, लंबी दूरी की मिसाइल कार्यक्रम पूरी तरह रोके। इसके साथ ही हमास और हिजबुल्लाह जैसे समूहों को समर्थन देना बंद करे। वहीं, ईरान का कहना है कि वह केवल परमाणु मुद्दे पर बात करेगा। अराघची ने फिर दी चेतावनी अराघची ने एक साक्षात्कार में फिर से चेतावनी दी कि अगर अमेरिका हमला करता है तो क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने वैध लक्ष्य माने जाएंगे और इससे व्यापक क्षेत्रीय युद्ध छिड़ सकता है। उन्होंने इसे बहुत डरावना बताते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में किसी की जीत नहीं होगी।

'अमेरिका के लिए बड़ी जीत', व्हाइट हाउस बॉलरूम प्रोजेक्ट पर कोर्ट की हरी झंडी के बाद गदगद ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक संघीय जज के फैसले का स्वागत किया है। जज ने व्हाइट हाउस में बन रहे नए बॉलरूम (विशाल हॉल) के निर्माण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इस फैसले के बाद ट्रंप ने इसे 'अमेरिका के लिए शानदार खबर' बताया।

संरक्षण समूहों की मांग जज ने की खारिज : यह मामला तब शुरू हुआ जब कुछ संरक्षण समूहों ने अदालत में याचिका दायर की। उनका कहना था कि व्हाइट हाउस में इतना बड़ा निर्माण करने से पहले कांग्रेस की मंजूरी, स्वतंत्र समीक्षा और आम जनता से राय लेने जैसी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी नहीं की गईं। उन्होंने अदालत से निर्माण

कार्य रोकने की मांग की थी। लेकिन जज ने उनकी मांग खारिज कर दी।

जज के फैसले के बाद गदगद दिखे ट्रंप : फैसले के बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट लिखकर कहा कि यह दुनिया का सबसे सुंदर बॉलरूम होगा। उन्होंने साफ कहा कि इस प्रोजेक्ट में एक भी डॉलर टैक्सपेयर्स का पैसा नहीं लग रहा है। उनके मुताबिक पूरा खर्च 'देशभक्त दानदाताओं' और निजी योगदान से उठाया जा रहा है।

क्या है व्हाइट हाउस का बॉलरूम प्रोजेक्ट : यह बॉलरूम करीब 90,000 वर्ग फुट का होगा। इसका उपयोग भविष्य में शपथ ग्रहण समारोह, बड़े स्टेट विजिट, राजकीय भोज और बड़े कार्यक्रमों के लिए किया जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार यह प्रोजेक्ट 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है।

निजी दान से आ रहा पूरा पैसा– ट्रंप प्रशासन : इस निर्माण के लिए पहले अनुमानित लागत 200 मिलियन डॉलर (1,820 करोड़ रुपए) बताई गई थी, लेकिन अब यह बढ़कर लगभग 300 मिलियन डॉलर (2,730 करोड़ रुपए) हो गई है। प्रशासन का कहना है कि पूरा पैसा निजी दान से आ रहा है, जबकि आलोचकों का कहना है कि इतनी बड़ी संरचना व्हाइट हाउस की ऐतिहासिक पहचान को बदल देगी। अगर यह प्रोजेक्ट पूरा हो जाता है, तो यह ट्रंप के कार्यकाल में व्हाइट हाउस में किया गया सबसे बड़ा भौतिक बदलाव माना जाएगा।

अफगानिस्तान के नये कानून पर यूएन ने जताई गंभीर चिंता

एथेंस, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार ने नया दंड संहिता लागू किया है। इस कानून पर जनवरी में वहां के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने हस्ताक्षर किए थे। इस नए कानून में कुल 119 धाराएं हैं और इसमें कई ऐसे प्रावधान हैं, जिन पर संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई है।

पत्नी को पीटने पर सिर्फ 15 दिन की सजा : सबसे बड़ी बात यह है कि इस कानून में पत्नी को पीटने पर सजा सिर्फ 15 दिन की जेल रखी गई है, वह भी तब जब पत्नी अदालत में साबित कर दे कि उसे चोट लगी है और शरीर पर कट, घाव या नीला निशान दिखाई दे रहा है। दूसरी ओर, अगर कोई महिला अपने पति की अनुमति के बिना अपने मायके चली जाती है और वहां रुकती है, तो उसे तीन महीने की जेल हो सकती है। इतना ही नहीं, अगर उसके मायके वाले उसे वापस पति के पास नहीं भेजते, तो उन्हें भी सजा दी जा सकती है।

यह कानून अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ– तुर्क : संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने कहा है कि यह कानून अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ है और महिलाओं के साथ भेदभाव को कानूनी रूप देता है। यूएन वुमेन की प्रतिनिधि सुसान फर्ग्यूसन ने भी कहा कि इस कानून से पुरुषों को महिलाओं पर अधिकार की स्थिति में रखा गया है और महिलाओं के लिए न्याय पाना और मुश्किल हो जाएगा। इस कानून में एक और चौंकाने वाली बात यह है कि जानवरों को लड़ाने पर पांच महीने तक की जेल हो सकती है। अफगानिस्तान में मुर्गों और तीतरों की लड़ाई एक आम परंपरा रही है, लेकिन तालिबान ने 2021 में सत्ता में आने के बाद इस पर रोक लगा दी थी। अब नए कानून में जानवरों की लड़ाई की सजा पत्नी को गंभीर रूप से पीटने की सजा से कहीं ज्यादा है।

एक ही अपराध के लिए अलग सजा : सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि एक ही अपराध के लिए अलग-अलग सामाजिक वर्गों के लोगों को अलग सजा दी जाएगी। धार्मिक विद्वानों और बड़े लोगों को सिर्फ चेतावनी दी जा सकती है, जबकि आम लोगों को जेल और निचले वर्ग के लोगों को शारीरिक सजा दी जा सकती है। हालांकि हत्या के मामलों में यह फर्क नहीं होगा और दोषी पाए जाने पर मौत की सजा दी जा सकती है। पैगंबर मोहम्मद का अपमान भी मौत की सजा वाला अपराध है, हालांकि पश्चाताप करने पर इसे छह साल की जेल में बदला जा सकता है।

पाकिस्तान की सेना हमलावरों को नेस्तनाबूत करने में सक्षम: शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध जैसा माहौल बन गया है। पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक का बदल लेने के लिए अफगानिस्तान ने डूरंड लाइन के इलाके में हमला किया तो पाकिस्तान ने सीधा राजधानी काबुल को ही निशाना बनाना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने दावा किया है कि उसने काबुल की 12 चौकियों पर कब्जा कर लिया है। वहीं अफगानिस्तान ने इसे आतंकी हमला बताया है। अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना हमलावरों को नेस्तनाबूत करने में सक्षम है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, हमारी सेनाओं के पास हमलावरों को कुचलने की ताकत है। इस स्थिति में पूरा देश सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। वहीं अफगानिस्तान ने कहा है कि पाकिस्तान ने शुक्रवार तड़के काबुल और दो अन्य प्रांतों में हवाई हले किए हैं। ऐसे में अब कतर की मध्यस्थता में कराया गया युद्धविराम कमजोर हो गया है।

काबुल में तीन विस्फोट : काबुल में कम से कम तीन विस्फोटों की आवाज सुनी गई, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि राजधानी में हमले कहां हुए और इनमें किसी के हताहत होने की जानकारी भी तुरंत नहीं मिल सकी। सरकारी प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने बताया कि पाकिस्तान ने दक्षिण में कंधार और दक्षिण-पूर्वी प्रांत पकतिया में भी हवाई हमले किए।

पाक ने अफगानिस्तान पर लगाए बिना उकसावे के हमले के आरोप : मुजाहिद ने बृहस्पतिवार रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पाकिस्तानी सेना के बार-बार विद्रोह और हमलों के जवाब में डूरंड रेखा के पास स्थित पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों और प्रतिष्ठानों पर बड़े पैमाने पर हमले किए गए।'' अफगान रक्षा मंत्रालय ने

कहा कि जवाबी हमले सीमा से लगे छह प्रांतों में किए गए। दोनों देशों के बीच 2,611 किलोमीटर लंबी सीमा को डूरंड रेखा कहा जाता है, जिसे अफगानिस्तान औपचारिक रूप से मान्यता नहीं देता।

यूएन ने भी संघर्ष पर जताई चिंता : इस बीच, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने सीमा पार झड़पों की खबरों पर चिंता जताई। उनके प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि महासचिव ने दोनों पक्षों से मतभेदों को कूटनीति के जरिए सुलझाने की अपील की है। दोनों देशों ने हताहतों के अलग-अलग आंकड़े दिए। अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जिनमें से कुछ के शव अफगानिस्तान ले जाए गए, जबकि ''कई सैनिकों को जिंदा पकड़ लिया गया।'' मंत्रालय के अनुसार, अफगानिस्तान के आठ सैनिक मारे गए और 11 घायल हुए।

दूसरी ओर पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने कहा कि पाकिस्तान के दो सैनिक मारे गए और तीन घायल हुए हैं, जबकि 36 अफगान लड़ाके मारे गए। पिछले कई महीनों से दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। अक्टूबर में सीमा पर हुई झड़पों में सैनिकों, नागरिकों और संदिग्ध आतंकियों की मौत हुई थी। हालांकि, कतर की मध्यस्थता से हुआ युद्धविराम काफी हद तक लागू रहा लेकिन सीमा पर बीच-बीच में गोलीबारी होती रही है। नवंबर में हुई कई दौर की शांति वार्ताएं भी किसी औपचारिक समझौते पर नहीं पहुंच सकीं।

आईआरएस द्वारा गोपनीय जानकारी साझा करने पर अदालत की टिप्पणी : वाशिंगटन, एजेंसी। एक अमेरिकी जज ने कहा है कि टैक्स विभाग आईआरएस ने लगभग 42,695 बार गोपनीय करदाता जानकारी इमिग्रेशन एजेंसी आईसीई के साथ साझा कर कानून तोड़ा। अदालत के अनुसार, बिना उचित कानूनी आधार के पतों की जानकारी दी गई। सरकार इस फैसले के खिलाफ अपील कर रही है, लेकिन फिलहाल अदालत ने इसे गोपनीयता कानून का उल्लंघन माना है।

स्विस बैंक पर अमेरिकी कार्रवाई : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने एक छोटे स्विस बैंक पर कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की है। आरोप है कि बैंक ने ईरान और रूस से जुड़े लोगों के 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा धन को अमेरिकी वित्तीय प्रणाली के जरिए स्थानांतरित किया। ट्रेजरी विभाग का कहना है कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: सेमीफाइनल की राह तय करेगा कोलकाता का महामुकाबला, मौसम देगा पूरा साथ

कोलकाता (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का सबसे अहम मुकाबला 1 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा, जहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच विजेता ही सेमीफाइनल में पहुंचेगा। यह मैच किसी क्वार्टरफाइनल से कम नहीं माना जा रहा है क्योंकि दोनों टीमों के पास आगे बढ़ने का यही आखिरी मौका है। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रनों की दमदार जीत के साथ अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। अब टीम इंडिया को शाई होप की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज को हराना अनिवार्य है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज भी जीत के साथ सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकती है, जिससे मुकाबला और भी रोमांचक बन गया है।

मुकाबला रविवार शाम 7 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस 6ः30 बजे होगा। ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स इस हाई-वोल्टेज मैच का गवाह बनने जा रहा है। फैंस के मन में सबसे बड़ा सवाल मौसम को लेकर है क्या बारिश मैच बिगाड़ सकती है? शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, राहत की खबर है कि 1 मार्च को कोलकाता में बारिश की कोई संभावना नहीं है। मैच के दौरान आसमान साफ रहने की उम्मीद है। दिन में तापमान लगभग 34 डिग्री सेल्सियस तक और शाम को 25-26 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। कुल मिलाकर मौसम क्रिकेट के लिए आदर्श माना जा रहा है और फैंस को पूरे 40 ओवर का खेल देखने को मिल सकता है।

हालांकि बारिश की संभावना कम है, लेकिन यदि मैच किसी कारणवश रद्द होता है तो स्थिति दिलचस्प हो जाएगी। फिलहाल दोनों टीमों के पास 2-2 अंक हैं। मैच रद्द होने पर दोनों को एक-एक अंक मिलेगा और अंक तीन हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में बेहतर नेट रन रेट होने

के कारण वेस्टइंडीज सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती है, जिससे भारत का सफर यहीं समाप्त हो सकता है। ऐसे में भारत को न सिर्फ जीत, बल्कि मौसम के पूरी तरह साथ देने की भी उम्मीद रहेगी। अब देखना है कि ईडन गार्डन्स में कौन सी टीम अपना 'करो या मरो' मुकाबला जीतकर अंतिम-चार में जगह बनाती है।

टीम इस प्रकार है

भारतः अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज।

वेस्टइंडीज : ब्रैंडन किंग, शाइ होप (विकेटकीपर/कप्तान), शिमरन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, जेसन होल्डर, मैथ्यू फोर्ड, अकील होसेन, गुडाकेश मोटी, शमार जोसेफ, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रोस्टन चेस, जॉनसन चार्ल्स।

आवासीय प्लॉट के कथित दुरुपयोग पर महेंद्र सिंह धोनी को नोटिस, हाउसिंग बोर्ड ने मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड की ओर से रांची में आवासीय प्लॉट के कथित दुरुपयोग के मामले में नोटिस जारी किया गया है। बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। धोनी जहां एक ओर आईपीएल 2026 में खेलने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर यह विवाद उनके पुराने आवास से जुड़े उपयोग को लेकर चर्चा में है। हाउसिंग बोर्ड के अनुसार धोनी को जो प्लॉट आवंटित किया गया था, वह केवल आवासीय उपयोग के लिए था, लेकिन आरोप है कि वहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। इसे आवंटन की शर्तों का उल्लंघन माना जा रहा है। बोर्ड की ओर से भेजे गए नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि व्यावसायिक उपयोग की अनुमति नहीं थी।

झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष संजयलाल पासवान ने बताया कि क्षेत्र में कई प्लॉट आवासीय उद्देश्य से दिए गए थे, लेकिन जांच में खुलासा हुआ कि कुछ भूखंडों पर व्यवसायिक कार्य किए जा रहे हैं। इसी आधार पर धोनी सहित कई अन्य लोगों को स्पष्टीकरण के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। हाउसिंग बोर्ड के मुताबिक यह अंतिम नोटिस है और यदि निर्धारित समय के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो प्लॉट के आवंटन को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। मामले की जांच जारी है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी। धोनी फिलहाल रांची के रिंग रोड स्थित अपने नए आवास में रहते हैं। विवादित संपत्ति उनका पुराना घर है, जो हरमू रोड पर स्थित है। आरोप है कि इस संपत्ति में एक डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित किया जा रहा था, जिसके बाद हाउसिंग बोर्ड ने जांच आरंभ की। इसी क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के राज्य कार्यालय को भी आवासीय भूखंड के कथित दुरुपयोग पर पहले नोटिस जारी किया जा चुका है। इधर, धोनी मैदान पर वापसी को लेकर भी सुर्खियों में हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके धोनी 28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 में एक बार फिर खेलते नजर आएंगे। उनकी उपस्थिति को लेकर प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

वानखेड़े में रवि शास्त्री के नाम पर स्टैंड, तीन दिग्गज खिलाड़ियों के नाम पर होंगे स्टेडियम के गेट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने मुंबई और भारतीय क्रिकेट की गौरवशाली विरासत को सम्मान देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में लेवल-1 स्टैंड का नाम पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रवि शास्त्री के नाम पर रखा जाएगा। इसी के साथ स्टेडियम के तीन प्रमुख गेट भी शहर के कुछ महान खिलाड़ियों को समर्पित किए जाएंगे। यह फैसला एमसीए की हालिया एपेक्स काउंसिल बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।

एमसीए ने बताया कि प्रेस बॉक्स के ठीक नीचे स्थित लेवल-1 स्टैंड अब रवि शास्त्री के नाम से जाना जाएगा। खिलाड़ी, कप्तान, कोच और कमेंटेटर के रूप में भारतीय क्रिकेट को उनके अमूल्य योगदान के सम्मान में यह निर्णय लिया गया है। भारतीय क्रिकेट में चार दशक से अधिक समय तक उनकी भूमिका ने उन्हें खेल का एक बड़ा चेहरा बनाया है। स्टेडियम के गेट भी मुंबई क्रिकेट के तीन दिग्गजों को सम्मानित करेंगे। गेट नंबर 3 का नाम महान बल्लेबाज दिलीप सरदेसाई के नाम पर रखा जाएगा, जिन्होंने 30 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। गेट नंबर 5 महिला क्रिकेट की अग्रणी हस्तियों में शामिल डायना एडुल्जी को समर्पित होगा, जिन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में अहम योगदान दिया। वहीं गेट नंबर 6 अब प्रसिद्ध ऑलराउंडर और क्लोज-इन फील्डर एकनाथ सोलकर के नाम से जाना जाएगा, जो अपनी फुर्ती और साहसिक फील्डिंग के लिए याद किए जाते हैं। एमसीए अध्यक्ष अजींक्य नाइक ने कहा कि मुंबई क्रिकेट की मजबूत आधारशिला इन खिलाड़ियों ने अपने खेल और अनुशासन से तैयार की है। उन्होंने कहा कि इन दिग्गजों का सम्मान करना न केवल अतीत की विरासत को सलाम करना है, बल्कि भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देना भी है। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में प्रवेश करने वाले हर दर्शक को अब मुंबई क्रिकेट की गौरवशाली यात्रा और इन महान खिलाड़ियों के योगदान की याद ताजा होगी। एमसीए के इस फैसले को क्रिकेट जगत में सराहनीय कदम माना जा रहा है, क्योंकि इससे शहर की क्रिकेट संस्कृति और खिलाड़ियों की विरासत को नए सिरे से

टी20 वर्ल्ड कप 2026: दक्षिण अफ्रीका की जीत की लय पर जिम्बाब्वे की चुनौती

–अरुण जेटली स्टेडियम में होगा हाई–स्टेक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में रविवार दोपहर नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका जिम्बाब्वे आमने-सामने होंगी। प्रोटियाज अपनी अजेय लय को सात मैचों तक बढ़ाना चाहेंगे, जबकि जिम्बाब्वे टूर्नामेंट का समापन सम्मानजनक तरीके से करना चाहेगा। दक्षिण अफ्रीका इस वर्ल्ड कप में अब तक अपने सभी छह मुकाबले जीत चुका है और 10 के नेट रन रेट के साथ सबसे दमदार टीम के रूप में उभरा है। टीम अगर जिम्बाब्वे को मात देती है, तो यह टी20 प्रारूप में उसकी दूसरी सबसे लंबी जीत की श्रृंखला बन जाएगी। कप्तान एडन मार्क्रम बेहतरीन फॉर्म में हैं। वे 178 की स्ट्राइक रेट से 264 रन बना चुके हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। पावरप्ले में उनका स्ट्राइक रेट 200 रहा है, जो 50 से ज्यादा गेंद खेलने वाले बल्लेबाजों में सबसे ऊंचा है। मार्कराम के पास बाबर आजम (303 रन, 2021) के रिकॉर्ड को तोड़कर एक वर्ल्ड कप संस्करण में कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का मौका

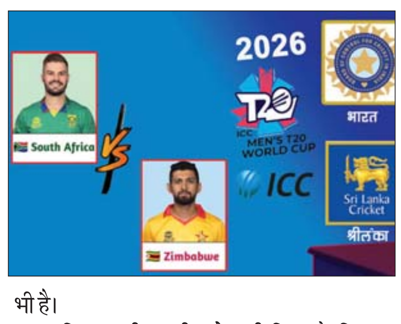

भी है।

दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी स्पिन के खिलाफ सबसे प्रभावी रही है, जहां टीम ने 9.9 रन प्रति ओवर की दर से रन बनाए। डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक को छोड़कर लगभग सभी बल्लेबाज 140+ के स्ट्राइक रेट पर खेल रहे हैं। गेंदबाजी में भी टीम का प्रदर्शन शानदार है। तेज गेंदबाज 37 विकेट चटका चुके हैं, जो इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक हैं। लुंगी एंगीडी 11 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने से सिर्फ एक विकेट दूर हैं। मार्को जानसेन के नाम भी 11 विकेट हैं, जबकि कगिसो रबाडा ने शुरुआती मैचों के बाद जोरदार वापसी की है।

जिम्बाब्वे की टीम भले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी है, लेकिन उनके अभियान में कई यादगार पल शामिल रहे। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया को हराकर उन्होंने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया था, हालांकि सुपर-8 में भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली हार से टीम की रफ्तार टूट गई। जिम्बाब्वे के ओपनर ब्रायन बेनेट ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है। वे अभी तक पांच पारियों में 277 रन बना चुके हैं और केवल एक बार आउट हुए हैं। उन्हें इस वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने वाले विराट कोहली (319 रन) के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल 43 रन की जरूरत है।

नई दिल्ली की पिच पर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को ज्यादा सफलता मिली है। यहां खेले गए पांच में से चार मैच दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। हेड-टू-हेड मुकाबलों में दक्षिण अफ्रीका 7-1 से आगे है, जिससे वह इस मैच में स्पष्ट रूप से मजबूत दावेदार दिखाई देता है। अब देखना यह होगा कि दक्षिण अफ्रीका अपनी जीत की लय बरकरार रखता है या जिम्बाब्वे आखिरी मुकाबले में बड़ा उलटफेर करता है।

रणजी ट्रॉफी जीत के बाद भावुक हुए पारस डोगरा, बोले 'यह मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी उपलब्धि'

हुबली। हुबली में इतिहास रचने के बाद पारस डोगरा अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए। कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल ड्रॉ रहने के बावजूद पहली पारी की बढ़त के आधार पर जीत दर्ज करने वाली जम्मू–कश्मीर के कप्तान ने कहा कि इस सफलता को शब्दों में बयां करना उनके लिए मुश्किल है। मैच के बाद डोगरा ने कहा, 卐सच कहूं तो मैं इसे समझा नहीं सकता। मेरे पास अभी कोई शब्द नहीं हैं। यह मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी चीज है और मैं इसके लिए बहुत शुक्रगुजार हूं।卐 उन्होंने जम्मू–कश्मीर क्रिकेट संघ, सपोर्ट स्टाफ और खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि यह जीत सामूहिक मेहनत का नतीजा है। जम्मू–कश्मीर ने फाइनल में पहली पारी में 291 रन की भारी बढ़त लेकर मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली थी। कर्नाटक के लिए वापसी का एकमात्र रास्ता था कि दूसरी पारी में विरोधी टीम को जल्दी आउट किया जाए। शुरुआती झटकों के बाद स्थिति चुनौतीपूर्ण लग रही थी, जब टीम 11/2 पर लड़खड़ा गई थी।

पिता के निधन के बाद टीम से जुड़ें रिंकू सिंह, देश के लिए निभाई जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा स्टार रिंकू सिंह अपने जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच उनके पिता का निधन हो गया, लेकिन इस गहरे दुख के बावजूद रिंकू ने हिम्मत दिखाते हुए टीम इंडिया में दोबारा शामिल हो गए है और वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के इडन गार्डन में होने वाले मैच के लिए तैयार हैं। रिंकू 26 फरवरी को भारत और जिम्बावे के बीच खेले गए मैच में मैदान पर मौजूद थे। हालांकि वे प्लेइंग–11 का हिस्सा नहीं थे, लेकिन सब्सटीट्यूट फील्डर के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई। मैच खत्म होने के कुछ घंटे बाद, 27 फरवरी की सुबह उन्हें उनके पिता खानचंद सिंह के निधन की दुखद सूचना मिली। उनके पिता लिवर कैंसर के चौथे स्टेज से जूझ रहे थे। सूचना मिलते ही रिंकू चेन्नई से सीधे अपने शहर अलीगढ़ पहुँचे और अपने पिता के पार्थिव शरीर को कंधा देकर अंतिम संस्कार किया। इससे पहले भी, वह टूर्नामेंट के दौरान अपने पिता की खराब तबीयत के चलते अस्पताल गए थे, लेकिन देश की जिम्मेदारी को देखते हुए टीम के साथ ज़िम्बाब्वे मैच से पहले फिर जुड़ गए थे। भारत का अगला और बेहद अहम मुकाबला 1 मार्च को इडन गार्डन में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच किसी क्वार्टर फ़ाइनल से कम नहीं है, क्योंकि जीतने वाली टीम सीधे सेमीफाइनल में जगह बनाएगी। टीम की जरूरत को देखते हुए रिंकू का यह फैसला क्रिकेट जगत और प्रशंसकों के बीच बेहद सराहा जा रहा है। निजी त्रासदी के बावजूद देश के लिए तत्पर रहने का उनका यह साहसिक कदम युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है।

तीसरे वनडे में साख बचाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

–बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सुधार की सख्त जरूरत

होबार्ट (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में एकतरफा हार झेलने के बाद मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब पूरी तरह बैकफुट पर खड़ी है। रविवार को होबार्ट में होने वाला तीसरा और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच भारत के लिए केवल सम्मान बचाने का मौका है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही 2-0 की अजेय बढ़त लेकर श्रृंखला अपने नाम कर चुका है और यह लगातार 12वीं बार है जब भारत द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में इस प्रतिद्वंद्वी से हार चुका है। भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी कमजोर बल्लेबाजी रही है। पहले वनडे में पावरप्ले के भीतर ही तीन महत्वपूर्ण विकेट खोने के बाद टीम 214 पर सिमट गई। दूसरे वनडे में हालांकि टीम ने 78 रनों की शानदार साझेदारी से शुरुआत की, लेकिन मध्य और निचले क्रम ने इसे भुनाया नहीं। 17वें से 31वें ओवर के बीच मात्र 52 रनों पर पांच विकेट गंवाना टीम के पतन की बड़ी वजह रहा। परिणामस्वरूप भारत नौ विकेट पर 251 रन ही बना पाया, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से हासिल कर लिया।

टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जहां दो अर्धशतक जड़े, वहीं युवा सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने शून्य पर आउट होने के बाद शानदार अर्धशतक से वापसी की। स्मृति मंधाना भी दो मैचों में 31 और 58 रन बनाकर अच्छी लय में दिखीं। लेकिन अनुभवी खिलाड़ियों जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा का फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। हरमनप्रीत ने भी स्वीकार किया कि टीम ने बार-बार वही गलतियां दोहराईं और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट गंवाए जिससे बड़ा स्कोर खड़ा नहीं हो सका। भारत की गेंदबाजी की स्थिति भी उतनी मजबूत नहीं दिखी। दीप्ति ने दो मैचों में तीन विकेट जरूर लिए, लेकिन उनके अलावा तेज गेंदबाज काशवी गौतम और क्रांति गौड़ को पावरप्ले में अधिक प्रभावी होने की जरूरत है। श्री चरणी पहले मैच में दो विकेट लेने के बाद दूसरे मैच में काफी महंगी साबित हुईं। खराब फील्डिंग ने टीम की परेशानियां और बढ़ाईं गौड़, मंधाना और ऋचा घोष के कैच छोड़ने से ऑस्ट्रेलिया को और बढ़त मिली।

इसके विपरीत ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हर विभाग में अपना दबदबा कायम रखा है। दूसरे वनडे में जॉर्जिया वोल के दमदार शतक और फीबी लिचफील्ड की शानदार बल्लेबाजी ने मैच को एकतरफा बना दिया। पहले मैच में बेथ मूनी, एलिसा हीली और एनाबेल सदरलैंड ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। गेंदबाजी में मेगन शट, एशले गार्डनर, अलाना किंग और सदरलैंड ने लगातार विकेट निकालकर भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। भारत भले ही टी20 श्रृंखला 2-1 से जीत चुका है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की दो वनडे की जीत ने बहु-प्रारूप श्रृंखला में उसे 6-4 की बढ़त दिला दी है। भारत को न केवल तीसरे वनडे में बल्कि पर्थ में होने वाले एकमात्र टेस्ट में भी दम दिखाना होगा, ताकि इस दौरे का अंत निराशाजनक न हो और टीम अपनी प्रतिष्ठा बचा सके।

टीम इस प्रकार हैं

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, काशवी गौतम, हरलीन देयोल, प्रतिका रावल।

ऑस्ट्रेलियाः एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फीबी लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलीसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

'संजू सैमसन को अब मौका लपकना होगा' : अश्विन

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया की बल्लेबाजी पहली बार पूरी तरह चमककर सामने आई जब ग्रुप स्टेज खत्म हो चुका था और सुपर–8 का पहला मुकाबला टीम हार चुकी थी। सेमीफाइनल की उम्मीदें 'अगर–मगर' पर टिकी थीं, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने टूर्नामेंट में नई जान फूंक दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर 256 रन खड़ा किया और मुकाबला 72 रन से जीत लिया। इस मैच में संजू सैमसन को मौका दिया गया और उन्हें अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग में उतारा गया। दोनों ने सिर्फ 22 गेंदों में 48 रन की तेज साझेदारी की। सैमसन 15 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन उन्होंने पावरप्ले में वह आक्रामक शुरुआत दे दी जिसकी टीम को सख्त जरूरत थी। इस दमदार जीत और सैमसन की पारी पर दिग्गज ऑफ स्पिनर रवचन्द्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर खास प्रतिक्रिया दी। अश्विन ने कहा कि सैमसन को आक्रामक क्रिकेट के रास्ते पर चलते रहना होगा और यह उनके लिए सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा, 'मैं जिस संजू सैमसन को जानता हूं, मुझे उसकी क्षमता पर पूरा भरोसा है। भारत को वर्ल्ड कप के दौरान ओपनिंग में समस्या थी, लेकिन इस मैच ने उसे दूर कर दिया। अगर सैमसन यहां से फाइनल तक 15 गेंदों में 28 या 30 रन भी बना देते हैं, तो वह टीम के लिए अपना काम कर चुके होंगे। बड़े स्कोर भी बन सकते हैं, लेकिन उनकी भूमिका यही है तेजी से टीम को शुरुआत देना।' अश्विन ने आगे कहा कि वे सैमसन को बड़ी पारी खेलते देखना चाहते हैं। 'मैं चाहता हूं कि सैमसन अच्छी शुरुआत को मैच–विनिंग पारी में बदलें। यह उनके लिए अब तक का सबसे बड़ा मौका है। सालों की मेहनत के बाद इस मंच तक पहुंचे हैं, उन्हें इसे पकड़ना होगा। अगर नाकाम भी होते हैं, तो यह जरूर कह पाएंगे कि उन्होंने कोशिश की। मैं चाहता हूं कि वह इस वर्ल्ड कप में एक शतक लगाएं या मैच जिता दें वे इसके हकदार हैं।' भारत के लिए अब अगला और सबसे अहम सुपर–8 मुकाबला 1 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। यह मैच क्वार्टर फाइनल जैसा है जो टीम जीतेगी वही सेमीफाइनल में जाएगी। ग्रुप–1 से दक्षिण अफ्रीका पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। ऐसे में सैमसन और टीम इंडिया पर सबकी निगाहें टिकी रहेंगी।

जम्मू-कश्मीर में क्रिकेट का नया सूरज, रणजी ट्रॉफी जीतकर मनाया जश्न, पीएम मेदी ने दी बधाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जम्मू और कश्मीर टीम को उनकी पहली रणजी ट्रॉफी जीत पर बधाई दी और उनके असाधारण साहस, अनुशासन और जुनून की सराहना की। जम्मू और कश्मीर ने 67 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए शनिवार को हुबली में खेले गए रणजी ट्रॉफी के फाइनल में मजबूत टीम कर्नाटक को हराया। पीएम मोदी ने एक पोस्ट में लिखा कि जम्मू और कश्मीर टीम को उनकी पहली रणजी ट्रॉफी जीत पर बधाई! यह ऐतिहासिक जीत टीम के असाधारण साहस, अनुशासन और जुनून को दर्शाती है। यह जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए गर्व का क्षण है और वहां के बढ़ते खेल प्रेम और प्रतिभा को उजागर करता है। आशा है कि यह उपलब्धि कई युवा खिलाड़ियों को बड़े सपने देखने और अधिक खेलने के लिए प्रेरित करेगी।

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कर्नाटक के खिलाफ ऐतिहासिक पहली रणजी ट्रॉफी जीत के लिए जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई दी है। सिन्हा ने इस उपलब्धि को केंद्र शासित प्रदेश के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के असाधारण प्रदर्शन और समर्पण की सराहना की। सिन्हा ने पत्रकारों से कहा कि जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने रणजी टूर्नामेंट में बहुत ही सराहनीय प्रदर्शन किया है। टीम को मेरी शुभकामनाएं।

X पर एक पोस्ट में उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर का गौरवशाली क्षण आ गया है! हमारी क्रिकेट टीम को रणजी ट्रॉफी जीतते हुए देखकर मेरी भावनाएं शब्दों से परे उमड़ रही हैं। उन सभी खिलाड़ियों को जिन्होंने अपने दृढ़ संकल्प से इतिहास रचा~ पूरे केंद्र शासित प्रदेश की ओर से आपको धन्यवाद, हम गर्व से फूले नहीं समा रहे हैं। आपने इतिहास को अमर कर दिया है - इसे सम्मान के साथ अपनाएं। मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 2019 के बाद केंद्र शासित प्रदेश में शुरू हुई खेल क्रांति के लिए आभारी हूं। सभी युवाओं से~ इस जोश को अपने क्षितिज को प्रज्वलित करने दें~ अथक और लगन से प्रशिक्षण लें। इस जीत को आधार बनाकर प्रभुत्व के युगों का नेतृत्व करें - जम्मू-कश्मीर का अजेय भविष्य आपसे शुरू होता है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के फाइनल में जीत के बाद जम्मू और कश्मीर क्रिकेट टीम को बधाई दी और इसे दृढ़ता और लगन का एक उल्लेखनीय उदाहरण बताया। पारस डोगरा के नेतृत्व वाली जम्मू और कश्मीर टीम ने 67 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए मजबूत टीम कर्नाटक को हराया। अपने पहले रणजी फाइनल में खेलते हुए, जम्मू और कश्मीर ने पहली पारी में 291 रनों की विशाल बढ़त के दम पर खिताब जीता। यह बढ़त आठ बार की चैंपियन कर्नाटक टीम के लिए नामुमकिन साबित हुई, जिसकी कप्तानी देवदत्त पडिक्कल कर रहे थे। शाह ने अपने खाते पर न सिर्फ खिलाड़ियों बल्कि पर्दे के पीछे काम करने वाली पूरी टीम की सराहना की।

उन्होंने लिखा कि जम्मू-कश्मीर की

भारतीय टीम को उनके दृढ़ संकल्प और लगन की अद्भुत कहानी के लिए हार्दिक बधाई। खिलाड़ी प्रशंसा के पात्र हैं, लेकिन जम्मू-कश्मीर के कोचिंग स्टाफ, प्रबंधन और प्रशासकों के योगदान को भी नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को संभव बनाने के लिए पर्दे के पीछे अथक परिश्रम किया है। मुझे विश्वास है कि यह जीत इस क्षेत्र की वर्तमान पीढ़ी के दिलों में आत्मविश्वास जगाएगी और आने वाली पीढ़ी को बल्ला या गेंद उठाने के लिए प्रेरित करेगी। हमारा खेल दुनिया भर में प्रेरणा की ऐसी कहानियों से समृद्ध है, और मुझे उम्मीद है कि इस कहानी को भी उतना ही सम्मान मिलेगा।

फाफ डु प्लेसिस ने किया 2026 विश्व कप फाइनल का बड़ा प्रिडिक्शन

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने टी–20 विश्व कप में सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को अब भी बरकरार रखा है। सुपर–8 चरण में साउथ अफ्रीका से पहला मुकाबला हारने के बाद टीम इंडिया पर उठ रहे सवाल अब इस जीत के साथ तारीफों में बदल गए हैं। अगर भारत अपने अगले मुकाबले में वेस्टइंडीज को मात दे देता है, तो उसके लिए सेमीफाइनल का रास्ता लगभग साफ हो जाएगा। वहीं, ग्रुप की अंकतालिका में दक्षिण अफ्रीका लगातार दो जीत के साथ और जिम्बाब्वे की दो हार के चलते पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने एक कार्यक्रम में बात करते हुए भविष्यवाणी की कि टी–20 विश्व कप 2026 का फाइनल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। फाफ ने कहा, 'भारत बेहद मजबूत टीम है और अपनी सरज़मीन पर कभी कमजोर नहीं पड़ती।' उन्होंने आगे कहा कि उनके अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीका फाइनल जीतकर पहली बार विश्व चैंपियन बनेगा। फाफ ने मज़ाकिया अंदाज में यह भी कहा कि फाइनल में डेविड मिलर बिलकुल वैसा ही कैच लेंगे जैसा सूर्यकुमार यादव ने टी–20 विश्व कप 2024 के फाइनल में लिया था।

भारत, यूरोपीय संघ के व्यापार समझौते में मध्यस्थता से जुड़ा परिशिष्ट शामिल

- समझौते पर विधिक परीक्षण के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना

नई दिल्ली।

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने हाल ही में बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के निष्कर्ष की घोषणा की। समझौते पर विधिक परीक्षण के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना है और इसे अगले वर्ष लागू किया जा सकता है। एफटीए में मॉडल मध्यस्थता प्रक्रिया पर एक अलग परिशिष्ट शामिल है, जिसका उद्देश्य विवादों का त्वरित और आपसी सहमति से समाधान करना है। समझौते के अनुसार भारत या ईयू कोई भी पक्ष ऐसे उपाय के खिलाफ मध्यस्थता की मांग कर सकता है, जो द्विपक्षीय व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव डालता हो।

हालांकि प्रक्रिया केवल दोनों पक्षों की आपसी सहमति से ही शुरू होगी। यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर मध्यस्थ की नियुक्ति पर सहमति नहीं बनती, तो मध्यस्थता का अनुरोध स्वतः निरस्त माना जाएगा। मध्यस्थता आम तौर पर उस पक्ष के क्षेत्र में होगी, जिसके पास अनुरोध भेजा गया है, या आपसी सहमति से किसी अन्य स्थान या माध्यम से भी इसे आयोजित किया जा सकता है।

मध्यस्थ की नियुक्ति के 60 दिनों के भीतर समाधान तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। करीब दो दशक चली वार्ताओं के बाद संपन्न एफटीए के तहत भारत के 93 प्रतिशत निर्यात को 27 देशों में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जबकि ईयू से लक्जरी कार और वाइन का आयात सस्ता होगा। दोनों पक्ष वैश्विक जीडीपी का लगभग 25 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार का एक-तिहाई हिस्सा नियंत्रित करते हैं।

समझौते में कुल 20 अध्याय शामिल हैं, जिनमें डिजिटल व्यापार पर अलग अध्याय भी है। यह कागज-रहित व्यापार, नियामकीय सहयोग और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देता है।

इसके अलावा विवाद निपटान पर अलग अध्याय विवादों के शीघ्र और प्रभावी समाधान की व्यवस्था करता है।

तेल की कीमतें भू-राजनीतिक तनाव में मारती हैं उछाल

नई दिल्ली ।

पिछले 50 वर्षों में बड़े युद्ध और भू-राजनीतिक संकट अक्सर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल लाते रहे हैं। 1970 के दशक में अरब देशों द्वारा निर्यात रोकने से तेल 3 से 12 डॉलर~ तक बढ़ा। 1990 में इराक-कुवैत युद्ध और 2003 में दूसरे इराक युद्ध में भी कीमतें 40 फीसदी तक बढ़ीं, लेकिन सप्लाई बढ़ने पर जल्द सामान्य हुईं। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान तेल 80 से डालर 120 प्रति बैरल तक गया, फिर वैकल्पिक खरीदारों के आने से छह महीनों में दाम सामान्य हुए। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान का उत्पादन वैश्विक तेल सप्लाई का केवल 3 फीसदी है, लेकिन इसका भू-राजनीतिक महत्व बड़ा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते दुनिया की लगभग 20 फीसदी तेल और गैस सप्लाई गुजरती है। इस मार्ग में कोई बाधा आने पर सऊदी अरब, इराक, कुवैत और यूएई की सप्लाई सीधे प्रभावित हो सकती है। हाल के तनाव के कारण कीमतों में लगभग 10 फीसदी की तेजी देखी गई। विश्लेषकों का कहना है कि हर 1 फीसदी सप्लाई झटके से तेल की कीमत 3-5 फीसदी बढ़ती है। अगर ईरान का 3.3 मिलियन बैरल प्रति दिन उत्पादन रुकता है, तो 70 डॉलर के बेस प्राइस पर दाम 76-81 डॉलर तक जा सकते हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर गंभीर खतरे के मामले में अतिरिक्त जोखिम प्रीमियम 20-40 डॉलर जुड़ सकता है, जिससे कीमत 95-110 डॉलर या उससे ऊपर पहुंच सकती है। इतिहास और विशेषज्ञों की राय यही दर्शाती है कि तेल की कीमतें भू-राजनीतिक तनाव में तेजी दिखा सकती हैं, लेकिन वास्तविक सप्लाई बाधा अक्सर अस्थायी होती है। बाजार में भय और अनिश्चितता ही दामों को अस्थायी रूप से ऊंचा करती है, जबकि संतुलन बहाल होने पर कीमतें सामान्य स्तर पर लौट आती हैं।

फरवरी में सीमेंट की औसत कीमत 342 रुपये प्रति बोरी पहुंची

- कुछ राज्यों में मार्च में फिर बढ़ोतरी की तैयारी

नई दिल्ली ।

फरवरी में सीमेंट बाजार ने मिलीजुली तस्वीर पेश की। जनवरी में बढ़ी कीमतों के बाद उम्मीद थी कि रुझान और मजबूत होगा, लेकिन स्थिति न तो बहुत तेज रही और न ही पूरी तरह सुस्त। पूरे देश में औसत ट्रेड कीमत 2 रुपये बढ़कर 342 रुपये प्रति बोरी हो गई। क्षेत्रीय तौर पर हालात अलग रहे। पश्चिम भारत में दाम 7 रुपये प्रति बोरी तक बढ़कर सबसे मजबूत प्रदर्शन किया। पूर्व में 4 रुपये और उत्तर में 3 रुपये की तेजी रही। मध्य भारत में कीमतें लगभग स्थिर रहीं, जबकि दक्षिण भारत में औसतन 2 रुपये प्रति बोरी की गिरावट दर्ज की गई। कुछ बाजारों में महीने की शुरुआत में बढ़ी कीमतें बाद में सामान्य हो गईं। जनवरी और फरवरी मिलाकर चालू तिमाही में औसत दाम पिछली तिमाही से करीब 1 प्रतिशत अधिक रहे। इससे कंपनियों को थोड़ी राहत मिली। बाजार को इस बार बड़े निर्माण और सरकारी प्रोजेक्ट्स का सहारा मिला। खुदरा बाजार में दाम 0 से 15 रुपये प्रति बोरी ऊपर-नीचे रहे, जबकि बड़े ऑर्डर वाले सौदों में 0 से 20 रुपये तक बढ़त दर्ज हुई। ज्यादातर जगहों पर मांग जनवरी की तुलना में बेहतर रही, लेकिन खुदरा खरीदार अभी पूरी ताकत से नहीं उतरे। मार्च के पहले 10 दिन होली के कारण कामकाज धीमा रह सकता है। मार्च में बड़ी बढ़ोतरी की संभावना ज्यादातर इलाकों में कम है। हालांकि बिहार, पश्चिम बंगाल और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में 10-15 रुपये प्रति बोरी तक दाम बढ़ाने की तैयारी चल रही है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल मांग ठीक है, इसलिए अचानक बड़ी गिरावट की संभावना कम है। असली परीक्षा यह होगी कि कंपनियां बढ़े हुए दाम को कितने समय तक संभाल पाती हैं।

क्रेडिट कार्ड नियमों में संभावित बदलाव 1 अप्रैल से

क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को पहचान और पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने पर विचार

नई दिल्ली। क्रेडिट कार्ड अब आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरत बन चुके हैं। खरीदारी, यात्रा, ऑनलाइन बिल और टैक्स भुगतान में उनका उपयोग तेजी से बढ़ा है। 1 अप्रैल से इन कार्डों से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण नियमों में बदलाव हो सकते हैं, जो सीधे उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करेंगे। नए नियमों के तहत सालभर में किए गए बड़े भुगतान पर विशेष नजर रखी जा सकती है। यदि कोई निर्धारित सीमा से अधिक क्रेडिट कार्ड बिल जमा करता है, तो इसकी जानकारी संबंधित विभाग को दी जा सकती है। इसका उद्देश्य वित्तीय लेन-देन में पारदर्शिता और अनियमित गतिविधियों पर नियंत्रण रखना है। डिजिटल और नकद भुगतान के लिए अलग-अलग सीमा तय की जा सकती है। तय सीमा से अधिक नकद जमा करने पर इसकी रिपोर्टिंग अनिवार्य हो सकती है। इससे बड़ी रकम को बिना रिकॉर्ड के चुकाना मुश्किल होगा और नकद भुगतान करने वालों को पहले से योजना बनानी होगी। क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को पहचान और पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने पर विचार किया जा रहा है। यह नए कार्ड आवेदन या अपडेट के समय लोगों को अतिरिक्त विकल्प देगा, खासकर उनके लिए जिनके पास सीमित दस्तावेज हैं। सरकार कार्ड को टैक्स और जीएसटी भुगतान के लिए आधिकारिक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम बनाने की तैयारी कर रही है। हालांकि प्रोसेसिंग शुल्क लग सकता है। कंपनियों द्वारा दिए गए कॉर्पोरेट कार्ड पर भी खर्च का पूरा रिकॉर्ड रखना और निजी व ऑफिस खर्च अलग दिखाना अनिवार्य हो सकता है। नए कार्ड के लिए पैन नंबर अनिवार्य हो सकता है। कार्डधारकों को बड़े लेन-देन की सीमा, नकद भुगतान नियम, प्रोसेसिंग फीस और खर्च का रिकॉर्ड ध्यान से रखना चाहिए।

पीपीएफ में एक व्य क्ति अपने नाम पर खोल सकता है केवल एक खाता

- संयुक्त खाते की अनुमति भी नहीं

नई दिल्ली ।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) भारत में सबसे भरोसेमंद बचत योजनाओं में से एक है। वित्त मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय बचत संस्थान के नियमों के अनुसार एक व्यक्ति अपने नाम पर केवल एक ही पीपीएफ खाता खोल सकता है। यह खाता बैंक में हो या डाकघर में, फर्क नहीं पड़ता। संयुक्त खाते की अनुमति भी नहीं है। अगर किसी के नाम पर एक से अधिक खाते पाए जाते हैं, तो अतिरिक्त खाते को अनियमित माना जा सकता है और उसमें जमा राशि बिना ब्याज के वापस की जा सकती है। पीपीएफ खाते व्यक्ति के पैन नंबर से लिंक होते हैं। इसलिए अलग-अलग बैंक या डाकघर में खाते खोलकर अधिक टैक्स फायदा लेने की कोशिश सिस्टम में पकड़ी जा सकती है। अभिभावक अपने नाबालिग बच्चे या मानसिक रूप से अक्षम व्यक्ति के लिए पीपीएफ खाता खोल सकता है। लेकिन नियम स्पष्ट करते हैं कि एक बच्चे पर सिर्फ एक खाता ही खोला जा सकता है और दूसरे अभिभावक को उसी बच्चे के नाम पर खाता खोलने की अनुमति नहीं है। पीपीएफ में न्यूनतम जमा 500 और अधिकतम 1.5 लाख रुपए प्रति वित्त वर्ष है। यह सीमा कुल मिलाकर लागू होती है, यानी अभिभावक अपने खाते और नाबालिग बच्चों के खातों में मिलाकर भी 1.5 लाख रुपए से अधिक नहीं जमा कर सकता। नाबालिग खाते खोलने से कुल टैक्स लाभ की सीमा बढ़ती नहीं है। पीएफ योजना लंबी अवधि के लिए डिज़ाइन की गई है। एक से अधिक खाते खोलकर अधिक टैक्स लाभ लेने की कोशिश नियमों के खिलाफ है। अगर निवेशक 1.5 लाख रुपये से अधिक बचत करना चाहता है, तो उसे अन्य वित्तीय साधनों में निवेश करना होगा।

टाटा संस में चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल पर फैसला टला

- प्रस्ताव को लेकर समूह में मतभेद की अटकलें बढ़ीं

नई दिल्ली । टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर निदेशक मंडल ने फैसला टाल दिया। यह बैठक ऐसे समय हुई जब टाटा ट्रस्ट, जो टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, ने पिछले साल सर्वसम्मति से उन्हें तीसरा कार्यकाल देने की सिफारिश की थी। सूत्रों के अनुसार टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने पुनर्नियुक्ति को लेकर कुछ शर्तें रखी थीं, जो इस प्रकार हैं- एयर इंडिया का अधिग्रहण और कंपनी के घाटे को लेकर चिंता, सेमीकंडक्टर और बैटरी उत्पादन जैसे नए क्षेत्रों में भारी पूंजीगत जोखिम, नियामकीय बाध्यता और टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने संबंधी स्पष्ट आश्वासन की मांग। इन शर्तों और चिंताओं के कारण बोर्ड ने निर्णय को स्थगित कर दिया। टाटा ट्रस्ट का सर्वसम्मत प्रस्ताव अभी भी कायम है लेकिन पर्यवेक्षकों ने सवाल उठाया कि क्या ट्रस्ट के नामित निदेशक निदेशक मंडल में अलग रुख अपना सकते हैं। यह स्थिति समूह के उच्चस्तरीय मतभेद और रणनीतिक चिंताओं का संकेत देती है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने किया होली ऑफर्स का ऐलान; शॉपिंग और ट्रैवल पर मिलेगी भारी छूट

क्रेडिट और डेबिट कार्ड ग्राहकों के लिए फेस्टिव सीजन में बचत का अवसर; 31 मार्च तक वैध रहेंगे ऑफर्स

मुंबई/इंदौर । भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू एसएफबी ने रंगों के त्योहार होली के उपलक्ष्य में अपने ग्राहकों के लिए विशेष फेस्टिव ऑफर्स की घोषणा की है। बैंक ने ग्रोसरी, फैशन शॉपिंग और ट्रैवल जैसी प्रमुख श्रेणियों में कैशबैक और डिस्काउंट के माध्यम से बचत के अवसर प्रदान किए हैं। यह पहल उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर की गई है जो त्योहार के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए खरीदारी और यात्रा की योजना बना रहे हैं। बैंक द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, ग्रोसरी श्रेणी में स्विगी इंस्टामार्ट पर 111 रू. तक की छूट और ब्लिंकिट, जेप्टो व जियोमार्ट पर एयू क्रेडिट कार्ड के जरिए 5त्न की बचत की जा सकती है। फैशन शॉपिंग के लिए एजीओ (AJIO) पर 10त्न की विशेष छूट उपलब्ध है। वहीं, घर जाने या पर्यटन की योजना बना रहे ग्राहकों को रेडबस और अभिबस पर एयू क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 10त्न तक की राहत मिलेगी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, जिसे हाल ही में यूनिवर्सल बैंक में बदलने की सैद्धांतिक मंजूरी मिली है, अपने इन ऑफर्स के जरिए ग्राहकों के त्योहारी खर्च को किफायती बनाना चाहता है। ये सभी विशेष लाभ लाइव हो चुके हैं और ग्राहक इनका फायदा 31 मार्च 2026 तक उठा सकते हैं। बैंक का उद्देश्य उत्सव के इस माहौल में अपने कार्ड धारकों को वित्तीय लचीलापन और बेहतर बैंकिंग अनुभव प्रदान करना है।

विशाल मेगा मार्ट की प्रवर्तक इकाई ने 13.96 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली । समायत सर्विसेज एलएलपी ने खुले बाजार में दो किस्तों में 65.25 करोड़ शेयर बेचे, जो कंपनी की कुल 13.96 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर हैं। शेयरों का मूल्य 117-117.03 रुपए प्रति शेयर रहा, जिससे कुल लेनदेन मूल्य 7,635.55 करोड़ रुपए हुआ। इस बिक्री के बाद समायत सर्विसेज की विशाल मेगा मार्ट में हिस्सेदारी 54.09 फीसदी से घटकर 40.13 फीसदी रह गई। अभी भी यह सबसे बड़ा शेयरधारक है, लेकिन नियंत्रण पहले की तुलना में कम हुआ। समायत सर्विसेज एलएलपी एक विशेष-प्रयोजन इकाई है, जिसका स्वामित्व केदारा कैपिटल और पार्टनर्स ग्रुप, स्विट्जरलैंड के पास है। इस लेनदेन से निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं, और बाजार में स्थिर प्रतिक्रिया देखने को मिली।

सोने की बढ़ती कीमतों से गोल्ड लोन बाजार में रिकॉर्ड उछाल

- जनवरी में गोल्ड लोन में 128 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई

नईदिल्ली ।

सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी का सीधा असर बैंकिंग सेक्टर में दिखाई दे रहा है। जनवरी में गोल्ड लोन में 128 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो पिछले साल जनवरी (91 फीसदी) से काफी अधिक है। रिजर्व बैंक आफ इं डिया (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, गोल्ड जूलरी के बदले बैंकों का आउटस्टैंडिंग लोन पहली बार 4,00,517 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। सोने की कीमतों में 152 फीसदी की बढ़ोतरी ने इस लोन की मांग को मजबूत आधार दिया है। बैंक क्रेडिट में गोल्ड लोन की हिस्सेदारी 9 फीसदी रही। जनवरी में कुल बैंक क्रेडिट ग्रोथ 14.4 फीसदी रही। पर्सनल लोन बैंक क्रेडिट का सबसे बड़ा सेगमेंट बना, जिसमें हिस्सेदारी 34.5 फीसदी रही। रिटेल लोन में 15 फीसदी की तेजी आई, जबकि एजुकेशन लोन दूसरे सबसे तेज बढ़ने वाले सेगमेंट के रूप में सामने आया, जिसमें 14 फीसदी वृद्धि हुई। सेक्टरवार आंकड़ों में रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में 62 फीसदी की उछाल दर्ज हुई, जिसे आरबीआई ने अनिवार्य कर्ज श्रेणी में शामिल किया है। इसके अलावा, जेम्स एंड जूलरी तथा इंजीनियरिंग सेक्टर में 36 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई, जो इन्हें सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में शामिल करता है। कॉरपोरेट सेक्टर में कर्ज वृद्धि 12 फीसदी रही, जबकि नॉन-फूड क्रेडिट 14 फीसदी बढ़ा। अमेरिकी टैरिफ में बदलाव के कारण जनवरी में एक्सपोर्ट क्रेडिट 17.2 फीसदी घट गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में इसमें 7 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई थी। यह वैश्विक आर्थिक बदलाव का असर भारतीय क्रेडिट मार्केट पर भी दिखाई दे रहा है।

भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह मिलाजुला रुझान देखा गया

सेंसेक्स और निफ्टी में साप्ता हिक आधार पर एक फीसदी से अ धिक तेजी रही

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह मिश्रित रुझान दिखाया, जिसमें शुरुआती मजबूती के बाद मध्य और अंत में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजार के कमजोर संकेतों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच भारतीय बाजारों में स्थिरता बनी रही, निवेशकों का नजरिया तेजी से सतर्क हो गया। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष ने भी बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है। इस तनाव की वजह से निवेशकों का भरोसा डगमगाया है। जिससे सप्ताह के ओ खिर में शेयर बाजार में एक फीसदी से अे धिक की गिरावट देखी गई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हरे निशान से हुई, जब वैश्विक बाजारों में तेजी और बैंक एवं सेवा क्षेत्र में खरीदारी के चलते प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स ने 621.78 अंकों की बढ़त के साथ 83,436.49 पर, जबकि एनएसई निफ्टी 180.05 अंकों की तेजी के साथ 25,751.30 पर कारोबार शुरू किया। दिन के अंत तक सेंसेक्स 479.95 अंक और निफ्टी 141.75 अंक ऊपर बंद हुए। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने वैश्विक व्यापार की धाराओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे निवेशकों का मनोबल बढ़ा। मंगलवार को बाजार में अचानक गिरावट देखने को मिली। एआई से जुड़े संभावित व्यवधानों और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के चलते सेंसेक्स 525.29 अंक गिरकर 82,769.37 पर और निफ्टी 145.85 अंक घटकर 25,567.15 पर खुला। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,068.74 अंक और निफ्टी 288.35 अंक गिरकर सप्ताह के शुरुआती उत्साह को झटका लगा। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में थोड़ी बढ़त देखी गई, लेकिन दिन के अंत में सूचकांक केवल मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। गुरुवार को आईटी शेयरों में खरीदारी और विदेशी फंड प्रवाह ने शुरुआती कारोबार में बाजार को बढ़त दिलाई। हालांकि, दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 27.46 अंक गिरकर और निफ्टी 14.05 अंक बढ़कर सपाट बंद हुए। शुक्रवार को वैश्विक बाजारों में कमजोरी और विदेशी फंडों की नई निकासी के

चलते दोनों प्रमुख सूचकांकों में गिरावट रही। सेंसेक्स 961.42 अंक गिरकर 81,287.19 पर और निफ्टी 317.90 अंक घटकर 25,178.65 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह अत्यधिक अस्थिरता दिखाई। शुरुआती उत्साह के बाद मध्य सप्ताह में आईटी शेयरों और वैश्विक जोखिमों के कारण गिरावट देखी गई, जबकि सप्ताह के अंत में विदेशी फंड निकासी और वैश्विक दबाव ने बाजार को लाल निशान में बंद करवाया। निवेशकों के लिए यह सप्ताह सीखने और सतर्क रहने का रहा।

अमेरिका और ईरान में जंग.......सोना 170000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 300000 लाख रुपये

मुंबई ।

इजरायल ने फिर ईरान पर हमला कर दिया है। इजरायली रक्षामंत्री ने इसकी पुष्टि कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार इजरायल ने ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। हमले पर ईरान की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आ गई है। ईरान की प्रतिक्रिया जिस तरह से सामने आई है उससे साफ है कि यह तनाव शायद ही जल्द समाप्त हो। अगर अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ता है, तब इसका सीधा असर सोने और चांदी की कीमतों पर होगा। आने वाले समय में गोल्ड और सिल्वर के दाम इजाफा देखने को मिल सकता है। जानकारों का मानना है कि घरेलू बाजार में सोने का भाव 170000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी फिर से 300000 लाख रुपये के स्तर तक पहुंच सकती है। सेबी रजिस्टर्ड मार्केट एक्सपर्ट बताते हैं, ÷अमेरिका-ईरान तनाव की वजह से अनिश्चितता के दौर में इजाफा होगा। निवेशक ऐसी परस्थिति में सुरक्षित निवेश की तलाश करेगा। हम सोने और चांदी की कीमतों में तेजी की उम्मीद कर रहे हैं। एक्सपर्ट कहते हैं, ÷सीओएमईएक्स गोल्ड रेट 5300 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसके ऊपर जाने पर भारत में सोने का भाव 168000 रुपये प्रति 10 ग्राम से 170000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक जा सकता है।÷

शुक्रवार को सीओएमईएक्स सिल्वर रेट 93 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतें 95 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर चुनौतियों का सामना कर रही हैं। एक्सपर्ट मानते हैं, ÷अगर सीओएमईएक्स सिल्वर रेट 95 डॉलर प्रति आउंस के स्तर को क्रॉस करने में सफल रही तब यह फिर से 100 डॉलर प्रति आउंस के स्तर तक पहुंच सकती है। भारत में चांदी की कीमतें फिर से 300000 लाख रुपये के स्तर तक जा सकता है।÷ हालिया समय में सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिली है। हालांकि, उस हिसाब से फरवरी का महीना नहीं बीता है।

गोल्ड और सिल्वर एटीएफ का एनएवी अब भारतीय बाजार की कीमत पर

-अब ईटीएफ का एनएवी ज्यादा पारदर्शी और भारतीय बाजार के अनुकूल होगा

नई दिल्ली । अभी तक गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ अपने पास रखे सोने और चांदी की कीमत तय करने के लिए एलबीएमए (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) की एएम फिक्सिंग का इस्तेमाल करते थे। इसके बाद कई चरणों में बदलाव किया जाता था, जैसे डॉलर से रुपये में बदलना, आयात शुल्क, कस्टम ड्यूटी, ढुलाई खर्च और अन्य टैक्स या फीस। इस वजह से निवेशकों के लिए ईटीएफ का एनएवी वास्तविक भारतीय बाजार की कीमत से थोड़ा अलग दिखाई देता था। 1 अप्रैल 2026 से यह प्रक्रिया बदल जाएगी। अब ईटीएफ ,को अपने बुलियन होल्डिंग की कीमत तय करने के लिए भारतीय एक्सचेंजों द्वारा जारी डॉमेस्टिक स्पॉट प्राइस का उपयोग करना होगा। ये वही कीमतें हैं जिन पर एमसीएक्स और एनएसई पर फिजिकल सोना-चांदी के सौदे होते हैं। इसका मतलब एनएवी सीधे भारत के बाजार की वास्तविक कीमत को दिखाएगा। इस बदलाव से ईटीएफ का एनएवी ज्यादा पारदर्शी और भारतीय बाजार के अनुकूल होगा। डॉलर-रुपये के बदलाव या अतिरिक्त शुल्क जोड़ने की जरूरत खत्म हो जाएगी। निवेशकों के लिए सुरक्षा में कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बस रोज़ाना की कीमतें अब भारत के फिजिकल मार्केट के हिसाब से तय होंगी।

सरकार ने फोर्टिफाइड चावल वितरण अस्थायी रूप से रोका

लंबे समय तक गोदाम में रखने पर आ रही पोषक तत्वों में कमी

नई दिल्ली। सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाय) और अन्य योजनाओं के तहत मिलने वाले फोर्टिफाइड चावल में पोषक तत्व मिलाने की प्रक्रिया अस्थायी रूप से रोक दी है। खाद्य मंत्रालय के अनुसार लंबे समय तक गोदामों में रखने से चावल में जो विटामिन और मिनरल्स मिलाए जाते हैं, उनमें कमी आ रही थी। सरकार ने आईआईटी खड़गपुर को यह अध्ययन करने का काम सौंपा था कि अलग-अलग मौसम और वातावरण में चावल कितने समय तक सुरक्षित रहता है। रिपोर्ट में पाया गया कि चावल रखने का स्थान, तापमान, हवा में नमी और पैकिंग सामग्री फोर्टिफाइड चावल की गुणवत्ता पर बड़ा असर डालते हैं। लंबे समय तक भंडारण और बार-बार परिवहन से पोषक तत्व जल्दी घट जाते हैं और चावल जल्दी खराब होने लगता है। राशन का चावल अक्सर 2-3 साल तक सरकारी गोदामों में रखा जाता है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और अन्य सरकारी योजनाओं के लिए सालाना 372 लाख टन चावल की जरूरत होती है। जबकि सरकारी भंडार में कुल उपलब्धता लगभग 674 लाख टन है, जिसमें 2025-26 की खरीफ फसल भी शामिल है। खाद्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पोषक तत्व मिलाने की प्रक्रिया रोकने से राशन की मात्रा या स्कूलों और आंगनवाड़ी में मिलने वाले मध्याह्न भोजन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के साथ प्रोजेक्ट करने वाले हैं विजय वर्मा

विजय वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एक जानकारी साझा की। जिसमें उन्होंने अपने अपकमिंग फिल्म प्रोजेक्ट के बारे में बताया। एक्टर ने एक कैप्शन भी लिखा, 'इसे लेकर काफी उत्साहित हूं।'

विजय वर्मा फरहान अख्तर के साथ करेंगे अगला प्रोजेक्ट

जल्द ही विजय वर्मा, फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ काम एक प्रोजेक्ट करने वाले हैं। विजय वर्मा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी से मिले एक कार्ड की तस्वीर शेयर की। एक्टर ने प्रोजेक्ट का नाम थोड़ा छिपाकर रखा। लेकिन इस प्रोजेक्ट को लेकर वह काफी एक्साइटेड हैं, इस बात का जिक्र विजय वर्मा ने किया है।

इन फिल्मों में भी नजर आएंगे विजय वर्मा

विजय वर्मा के पास कई और फिल्में हैं। वह 'मटका किंग' नाम की एक फिल्म कर कर रहे हैं। इसके अलावा वह एक और फिल्म 'फैमिली बिजनेस' कर रहे हैं, इसमें अनिल कपूर भी नजर आएंगे। इसके अलावा वह 'लस्ट स्टोरी 3' में भी दिखाई देंगे।

निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में विजय वर्मा?

बड़े पर्दे पर 'गुस्ताख इश्क' जैसी फिल्म साथ करने वाले विजय वर्मा और फातिमा सना शेख असल जिंदगी में भी प्यार में गुस्ताखियां कर रहे हैं। इनके रिलेशनशिप में होने की खबरें, अफवाहें लगातार सामने आ रही हैं। दोस्तों की पार्टी, अवॉर्ड फंक्शन में दोनों को साथ देखा गया है। अपने इश्क का इजहार दोनों ने अब तक दुनिया के सामने नहीं किया है।

धर्मा की फिल्म 'बेधड़क' से डेब्यू न कर पाने पर शनाया कपूर ने खोले राज

शनाया कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'तू या मैं' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। 2025 में आई रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से शनाया ने बतौर अभिनेत्री डेब्यू किया था। लेकिन इन फिल्म से पहले वो 'बेधड़क' से डेब्यू करने वाली थीं। लेकिन यह फिल्म किसी कारण बंध हो गई थी। हाल ही में शनाया ने अपने शुरुआती करियर को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए हैं।

डेब्यू फिल्म को लेकर शनाया की राय

पहले शनाया धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'बेधड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली थीं, लेकिन वो प्रोजेक्ट रुक गया। बाद में उन्होंने विक्रांत मैसी के साथ रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। शनया ने हाल ही में 'स्क्रीन' को दिए एक इंटरव्यू में अपने करियर की शुरुआत के बारे में बात की और कहा कि वो खुश हैं कि चीजें ऐसे ही हुईं। उस अनुभव ने उन्हें एक बेहतर अभिनेत्री बनने में बहुत मदद की है। 'बेधड़क' रुकने पर कैसा हुआ महसूस शनाया ने कहा, 'हर चीज किसी न किसी कारण से होती है। जो होना होता है, वही होता है। अब पीछे मुड़कर देखती हूं तो गर्व महसूस होता है। इन सबने मुझे आज का इंसान बनाया है। (बेधड़क) प्रोजेक्ट्स रुकने से मुझे और मेहनत करने की प्रेरणा मिली।'

हमेशा मानती हैं पिता की सलाह

शनाया ने बताया कि उनके पिता संजय कपूर हमेशा उन्हें सलाह देते थे कि परिस्थितियों की चिंता मत करो, बस अपने काम पर फोकस करो। अगर फिल्म नहीं मिल रही तो कोई सीन चुनकर प्रैक्टिस करो। उन्होंने कहा कि कुछ चीजें हमारे बस में नहीं होतीं, उनकी चिंता बेकार है। बस काम करते रहो और खुद को बेहतर बनाते रहो।

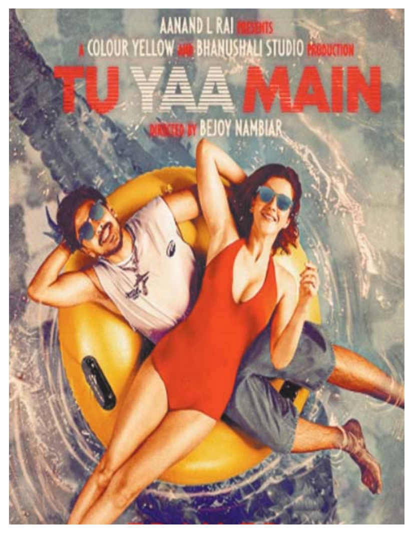

तू या मैं

इन दिनों शनया 'तू या मैं' में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ आदर्श गौरव हैं। यह फिल्म बेजॉय नंबियार ने डायरेक्ट की है और आनंद एल राय ने प्रोड्यूस किया है। यह 2018 की थाई फिल्म 'द पूल' का रीमेक है। फिल्म को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं और बॉक्स ऑफिस पर इसने करीब 4 से 5 करोड़ रुपये की कमाई की है।

हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला में दमदार किरदार निभाएंगी मिथिला पालकर

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपने गेम रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में व्यस्त हैं। वहीं अभिनेता अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर भी चर्चाओं में हैं। इस फिल्म के जरिए एक बार फिर अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी बड़े पर्दे पर वापस लौट रही है। अब फिल्म की कास्ट में एक नई अभिनेत्री का नाम सामने आया है। अक्षय की बहन का किरदार निभाएंगी मिथिला अक्षय कुमार और वामिका गब्बी स्टारर 'भूत बंगला' में अब एक नया नाम शामिल हो गया है। इस नाम के बारे में खुद अक्षय ने जानकारी दी है। ये नाम है अभिनेत्री मिथिला पालकर का। हाल ही में मिथिला अक्षय की होस्टिंग वाले गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में नजर आई थीं। इसी दौरान अक्षय ने ये खुलासा किया कि मिथिला भूत बंगला का हिस्सा हैं। अक्षय ने बताया कि मिथिला फिल्म में उनकी बहन का किरदार निभाती नजर आएंगी। एक्टर ने कहा, मिथिला ने अपना सफर इंटरनेट से शुरू किया था और आज वह कई फिल्मों में काम कर रही हैं। जल्द ही वह एक ऐसे एक्टर के साथ नजर आएंगी, जिसे मैं बहुत अच्छी तरह जानता हूं, गेस कीजिए कौन? मैं खुद। 'भूत बंगला' में मिथिला 'भूत' का नहीं, बल्कि मेरी बहन का किरदार निभाती दिखेंगी।

16 साल बाद साथ लौट रही अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी

'भूत बंगला' 2026 की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल है। इसकी सबसे बड़ी वजह अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी का 16 साल बाद एक साथ आना है। अक्षय और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 'हेरा फेरी' समेत कई कल्ट कॉमेडी फिल्में दी हैं। ऐसे में अब 'भूत बंगला' के जरिए निर्देशक-अभिनेता की ये जोड़ी एक बार फिर नई कॉमेडी फिल्म के साथ तैयार है। यह एक कम्पलीट फैमिली एंटरटेनर होने वाली है। दर्शक अक्षय कुमार को उनके पुराने अंदाज और जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग में देखने के लिए उत्साहित हैं।
बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे। फिल्म के प्रोड्यूसर अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर हैं। 'भूत बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

कॉकटेल 2 में किस किरदार में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना और कृति सेनन?

अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर लोगों में उत्सुकता है। रिलीज से पहले इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा होने लगी है। साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'कॉकटेल' को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। अब इसके सीक्वल 'कॉकटेल 2' में रश्मिका मंदाना, कृति सेनन और शाहिद कपूर लीड रोल में हैं। इसमें रश्मिका मंदाना और कृति सेनन के रोल को लेकर एक अपडेट सामने आई है।

क्या होगा कृति और रश्मिका का रोल?

फिल्म 'कॉकटेल 2' की कहानी को लेकर लोगों में दिलचस्पी बढ़ रही है। इस बीच फिल्म में रश्मिका मंदाना और कृति सेनन के रोल को लेकर अपडेट आई है। फिल्म में कृति सेनन और रश्मिका मंदाना एक लेस्बियन कपल का रोल करेंगी।

कब पूरी हुई फिल्म की शूटिंग?

हालांकि, प्रोडक्शन टीम ने फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। इसलिए दर्शकों को कोई नतीजा निकालने से पहले प्रोडक्शन हाउस की तरफ से दी गई जानकारी का इंतजार करना होगा। डायरेक्टर होमी अदजानिया ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी थी कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है।

दर्शकों को क्यों हैं उम्मीदें?

ओरिजिनल फिल्म 'कॉकटेल' (2012) में दीपिका पादुकोण, डायना पेंटी और सैफ अली खान ने अहम किरदार निभाया था। इस फिल्म ने अपनी अलग कहानी के लिए तारीफें बटोरी थीं। ऐसे में फिल्म के सीक्वल से लोगों को काफी उम्मीदें हैं।

कंगना से दोस्ती को तैयार हैं तापसी पन्नू

तापसी पन्नू और कंगना रनौत बॉलीवुड की दो ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने आउटसाइडर होने के बावजूद अपनी दम पर अपनी पहचान बनाई है। दोनों ही अपनी दमदार एक्टिंग के लिए भी सुर्खियां बटोरती हैं। लेकिन दोनों के बीच कैट फाइट भी काफी पुरानी है और अक्सर चर्चा में भी रहती है। हालांकि, तापसी पन्नू का कहना है कि उनकी तरफ से कोई झगड़ा या मनमुटाव नहीं है। यहीं नहीं वो कंगना को अपना सीनियर बताते हुए उनसे दोस्ती करने को भी तैयार हैं।

मैंने कभी लड़ाई की ही नहीं

बातचीत के दौरान तापसी पन्नू ने कंगना के साथ अपने विवाद पर प्रतिक्रिया दी। कंगना की बहन द्वारा तापसी को कंगना की 'सस्ती कॉपी', 'बी ग्रेड एक्ट्रेस' और 'शी-मैन' कहने के बाद ये विवाद शुरू हुआ था। हालांकि, इस विवाद पर अब तापसी का कहना है कि उन्होंने कभी झगड़ा शुरू नहीं किया और आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मैंने कभी लड़ाई की है या नहीं। लड़ाई तब होती है जब दो लोग आपस में भिड़ते हैं। मैं कभी नहीं भिड़ी।

मुझे सस्ती कॉपी कहे जाने पर कोई दिक्कत नहीं

कंगना की सस्ती कॉपी वाली टिप्पणी पर तापसी ने कहा कि उनकी बहन ने मुझे 'सस्ती नकल' कहा। उनका कहना था कि चूंकि मैं यहां उतनी कमाई नहीं करती, इसलिए मैं सस्ती हूं। अगर वह (कंगना रनौत) इतनी प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, तो मुझे उनकी नकल कहे जाने से कोई आपत्ति नहीं है। आप मेरा कोई भी बयान निकाल सकते हैं, मैंने उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा है।
बातचीत के दौरान जब यह कहा गया कि अगर तापसी और कंगना रनौत जैसी दो शानदार एक्ट्रेस एकसाथ आएंगी, तो वाकई कमाल हो जाएगा। इस पर तापसी ने कहा कि बिल्कुल ऐसा हो सकता है। शायद कोई है जो ये नहीं चाहता कि दो अच्छी एक्ट्रेस एक साथ काम करें। मुझे नहीं पता किसी ने उन्हें क्या बताया है। जबकि हम दोनों ही आउटसाइडर हैं, हम दोनों ही एक ही बात कहते हैं। इस दौरान कंगना से दोस्ती करने के सवाल पर तापसी पन्नू ने स्पष्ट कहा कि मैं तैयार हूं। वो (कंगना) मुझसे सीनियर हैं और मुझे उनके साथ काम करने या दोस्ती करने में कोई दिक्कत नहीं। हालांकि, तापसी ने कहा कि वह इस बात की गारंटी नहीं दे सकतीं कि कंगना उनसे क्या कहेंगी, लेकिन उनकी तरफ से उनका रुख स्पष्ट है।

आपस में भिड़ते हैं आउटसाइडर

जब तापसी से पूछा गया कि क्या उनके झगड़े से नेपोटिज्म के विवाद के दौरान स्टार किड्स को अप्रत्यक्ष रूप से फायदा हुआ? तो तापसी ने कहा कि मुझे उनके बारे में तो नहीं पता, लेकिन किसी न किसी को तो किसी न किसी तरह से फायदा जरूर हुआ होगा। उन्होंने आगे कहा कि इंडस्ट्री में गुटबाजी सिर्फ इनसाइडर और आउटसाइडर तक ही सीमित नहीं है। आउटसाइडर भी अक्सर एक ही बात करते हैं और अपनी चुनौतियों के बारे में बात करने के बावजूद एक-दूसरे का साथ नहीं देते। लोग अक्सर आउटसाइडर होने का रोना रोते हैं, लेकिन एकजुट होने के बजाय आपस में ही लड़ते रहते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in